www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 65 || अम्बेडकरनगर
मंगलवार
26 मई 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः 2 ₹
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा

दैनिक तमसा संकेत

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदयः 05:14
सूर्यास्तः 06:52
अधिकतमः 42:00
न्यूनतमः 28:00

पेज 07 »

विशेष समाचार यह कैसा समाज है, जिसमें ... » पेज 04 | जिप लाइन झूले से 45 फीट ... » पेज 06 | 54 साल के हुए करण ...

हेमा मालिनी ने रिसीव किया, मार्शल आर्ट गुरु पजनीवेल ने पीएम मोदी को लेटकर प्रणाम किया

धर्मेंद्र को मरणोपरांत पद्म विभूषण सम्मान

पुरस्कृत

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 66 हस्तियों को पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया है। सबसे पहले दिवंगत फिल्म स्टार धर्मेन्द्र को पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। उनकी पत्नी एक्ट्रेस–सांसद हेमा मालिनी ने यह सम्मान लिया।

महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत को पद्मश्री से सम्मानित किया गया। उनकी लीडरशिप में इसी साल टीम ने वनडे वर्ल्डकप जीता था। साल 2026 में कुल 131 हस्तियों को पद्म पुरस्कार दिए जाने हैं, 65 विजेताओं को अगले फेज में सम्मानित किया जाएगा, जिसकी तारीखें अभी सामने नहीं आई हैं।

पुडुचेरी के प्रसिद्ध सिलंबम गुरु के. पजनीवेल को भारत में पारंपरिक मार्शल आर्ट में उनके योगदान के लिए पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

» (शेष पेज 06 पर)

सोलर ग्रुप के चेयरमैन सत्यनारायण को पद्मश्री

"सोलर ग्रुप के चेयरमैन सत्यनारायण नुवाल को भारत के रक्षा विनिर्माण क्षेत्र में उनके योगदान के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया।

वरिष्ठ पत्रकार कैलाश चंद्र पंत को पद्मश्री

वरिष्ठ पत्रकार कैलाश चंद्र पंत को देश भर में हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार में उनके योगदान के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया।

के. पजनीवेल को पारंपरिक मार्शल आर्ट के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्होंने जमीन पर लेटकर पीएम मोदी को प्रणाम किया।

वरिष्ठ पत्रकार कैलाश चंद्र पंत को 90 वर्ष की उम्र में हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार में उनके योगदान के लिए पद्मश्री पुरस्कार मिला।

■ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विज्ञापन जगत की जानी-मानी हस्ती पीयूष पांडे को पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया। उनकी पत्नी नीता जोशी ने अवार्ड रिसीव किया।

■ हेमा मालिनी ने फिल्म स्टार धर्मेंद्र की जगह अवार्ड रिसीव किया।

सामाजिक कार्यकर्ता तेची गुबिन को पद्मश्री

अरुणाचल प्रदेश के प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता तेची गुबिन को समाज सेवा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

कोलकाता में अभिषेक बनर्जी के घर पहुंची पुलिस

कोलकाता। अवैध निर्माण मामले में सोमवार को कोलकाता पुलिस की एक विशेष टीम TMC महासचिव अभिषेक बनर्जी के हरीश मुखर्जी रोड पर मौजूद घर 'शांतिनिकेतन' पहुंची। कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के नोटिस के बाद पुलिस ने यह कार्रवाई की।

सूत्रों के मुताबिक, अवैध हिस्से को गिराने का आदेश भी जारी किया गया है। नोटिस के मद्देनजर कोलकाता पुलिस ने वहां जाकर स्थिति का जायजा लिया।

कोलकाता नगरपालिका के नोटिस के जवाब में अभिषेक बनर्जी ने रविवार को नगरपालिका अधिकारियों को लेटर लिखकर 14 दिन का समय मांगा था। हालांकि, प्रशासन ने अभी तक कोई वजह नहीं बताई है। पूरे मामले पर कोलकाता के मेयर और TMC विधायक फिरहाद हकीम ने कहा कि उन्हें नोटिस के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

अन्नाद्रमुक के तीन बागी विधायकों ने इस्तीफा दिया

टीवीके नेता से मिले, पार्टी जॉइन करेंगे फ्लोर टेस्ट में विजय सरकार को समर्थन दिया था

झटका

तमसा संकेत, एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु में AIADMK को बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। पार्टी के तीन बागी विधायकों ने सोमवार को इस्तीफा दे दिया। इस्तीफा देने वाले विधायकों में मरगथम कुमारवेल, पी. सत्यभामा और एस. जयकुमार शामिल हैं। विधानसभा अध्यक्ष जेसीडी प्रभाकर ने तीनों विधायकों का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। स्पीकर से मिलने के बाद तीनों विधायक TVK नेता और PWD मंत्री आधव अर्जुना से मिले। कुमारवेल ने कहा कि वे जल्द TVK हेडक्वार्टर में पार्टी जॉइन करेंगे। ये विधायक उन 25 AIADMK विधायकों में शामिल थे जिन्होंने 13 मई को विधानसभा फ्लोर टेस्ट में पार्टी व्हिप के खिलाफ जाकर TVK सरकार के समर्थन में वोट किया था। » (शेष पेज 06 पर)

■ स्पीकर से मिलने के बाद तीनों विधायक TVK नेता और PWD मंत्री आधव अर्जुना से मिले।

अन्नाद्रमुक प्रमुख पलानीस्वामी ने पूरे घटनाक्रम को प्री-प्लांड कॉन्सपिरेसी और हॉर्स ट्रेडिंग करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि सचिवालय के ग्राउंड फ्लोर पर इस्तीफे स्वीकार किए गए और फर्स्ट फ्लोर पर टीवीके की सदस्यता दिलाई

ट्रम्प ने मुस्लिम देशों से रिश्ते बेहतर करने को कहा

'इजराइल से दोस्ती करें'

नसीहत

तमसा संकेत, एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी। ट्रम्प ने मुस्लिम देशों से इजराइल के साथ रिश्ते बेहतर करने को कहा है। उन्होंने शनिवार को सऊदी अरब, कतर, पाकिस्तान, तुर्किये, मिस्र और जॉर्डन के नेताओं के साथ वर्चुअल मीटिंग की।

ट्रम्प ने सोमवार को सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी देते हुए लिखा कि अमेरिका ने ईरान संकट को सुलझाने के लिए बहुत मेहनत की है। अब जरूरी है कि ये सभी देश अब्राहम अकॉर्ड्स (समझौते) में शामिल हों। यानी इजराइल के साथ रिश्ते बेहतर करें।

» (शेष पेज 06 पर)

■ पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने 25 सितंबर 2025 को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में मुलाकात की थी।

ट्रम्प ने दावा किया कि अब्राहम अकॉर्ड्स पश्चिम एशिया को 5000 साल में पहली बार असली ताकत, शांति और आर्थिक मजबूती दे सकता है। सऊदी अरब और कतर को अब्राहम अकॉर्ड्स साइन करके इसकी शुरुआत करनी चाहिए। बाकी देशों को भी ऐसा करना चाहिए।

ट्रम्प बोले- इजराइल से रिश्ते सुधारने पर फायदा होगा

ट्रम्प ने कहा कि अगर ये देश इजराइल के साथ रिश्ते बनाते हैं तो यह समझौता इतिहास की सबसे बड़ी घटनाओं में बदल सकता है। उन्होंने दावा किया कि अब्राहम अकॉर्ड्स से जुड़े देशों को आर्थिक, व्यापारिक और सामाजिक स्तर पर बड़ा फायदा हुआ है।

» (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

असम विधानसभा में यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल पेश

गुवाहाटी। असम विधानसभा में यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल सोमवार को पेश किया गया। इसे पटल पर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की ओर से राज्य के संसदीय कार्य मंत्री अतुल बोरा ने रखा। इस बिल को दो हफ्ते पहले कैबिनेट से मंजूरी मिली थी।

सुनवाई निर्देश

सैनिटरी-नैपकिन, टॉयलेट कम होने से लड़कियों की पढ़ाई न छूटे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि स्कूलों में सैनिटरी नैपकिन और लड़कियों के लिए अलग टॉयलेट न होने के कारण उनकी पढ़ाई नहीं छूटनी चाहिए। कोर्ट ने केंद्र सरकार से 30 जनवरी के फैसले को पूरी तरह लागू कराने को कहा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह इस मामले की प्रगति की निगरानी हर तीन महीने में करेगा। केंद्र को हर तीन महीने पर प्रोग्रेस रिपोर्ट दाखिल करनी होगी। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल अर्चना पाठक दवे से कहा, इस फैसले का अच्छा उपयोग कीजिए।

महाराष्ट्र में कार 800 फीट गहरी खाई में गिरी

रायगढ़/भटकल। महाराष्ट्र और कर्नाटक में दो हादसों में 19 लोगों की मौत हो गई। महाराष्ट्र के रायगड में पोलादपुर-महाबलेश्वर रोड के अंबेनली घाट इलाके में रविवार सुबह एसयूवी कार 800 फीट गहरी खाई में गिर गई। घटना में 8 लोगों की मौत हुई है।

कश्मीर के गुलमर्ग रोपवे में खराबी तीन सौ पर्यटकों का रेस्क्यू जारी

7 घंटे ऑपरेशन चला 65 ट्रॉली हवा में फंसीं

बचाव

तमसा संकेत, एजेंसी

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में एशिया के सबसे ऊंचे रोपवे गोंडोला (रोपवे) में सोमवार को तकनीकी खराबी आने से करीब 300 पर्यटक बीच हवा में फंस गए। करीब सात घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

रोपवे के 65 केबिन दोपहर करीब 1.30 बजे बीच हवा में रुक गए थे। कुछ केबिन जमीन से करीब 500 फीट की ऊंचाई पर थे। एक केबिन में 6 लोग बैठ सकते हैं। भारी बारिश के बीच SDRF, NDRF, सेना और पुलिस ने जॉइंट ऑपरेशन चलाया। शाम 8.30 बजे रेस्क्यू खत्म हुआ। भारतीय सेना ने X पर बताया कि शुरुआती पांच घंटों में 179 पर्यटकों को निकाला गया था। ज्यादातर लोगों को रस्सियों और सीढ़ियों के सहारे नीचे उतारा गया। इनमें कई महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग भी थे।

» (शेष पेज 06 पर)

■ गुलमर्ग गोंडोला में 24 घंटे में दूसरी बार तकनीकी खराबी

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा मामला, एफआईआर दर्ज कर सीबीआई जांच की मांग

कॉकरोच जनता पार्टी की मुश्किलें बढ़ीं

■ कॉकरोच जनता पार्टी के खिलाफ याचिका
■ सीजेआई बोले- कोई आपात स्थिति नहीं; इंस्टाग्राम पर पार्टी के 2.29 करोड़ फॉलोअर्स

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी को लेकर जारी विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है, जिसमें CJP से जुड़े व्यक्तियों के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो से स्वतंत्र जांच कराने और उनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) को लेकर जारी विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है, जिसमें CJP से जुड़े व्यक्तियों के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) से स्वतंत्र जांच कराने और उनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है। याचिका में फर्जी कानून डिग्रियों के इस्तेमाल, प्रतिरूपण और सर्वोच्च न्यायालय की संस्थागत पहचान के दुरुपयोग के गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

» (शेष पेज 06 पर)

सोशल मीडिया पर गरमाया विवाद

यह याचिका ऐसे समय में आई है जब सोशल मीडिया पर CJP का विवाद चरम पर है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की 'व्यवस्था पर हमला करने वालों' वाली टिप्पणी के बाद मुद्दा सुर्खियों में आ गया। खुफिया ब्यूरो (IB) की रिपोर्ट के आधार पर केंद्र सरकार के निर्देश पर गुरुवार को CJP के आधिकारिक एक्स हैंडल को भारत में प्रतिबंधित कर दिया गया। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) ने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 69A के तहत यह कार्रवाई की। खुफिया एजेंसियों ने CJP पर 'भड़काऊ' सामग्री फैलाने और देश की संप्रभुता को चुनौती देने का आरोप लगाया था।

मनीषा हवलदार ने पैसों के लिए नीट पेपर लीक किया

नई दिल्ली। NEET-UG पेपर लीक केस में पुणे से गिरफ्तार फिजिक्स टीचर पर आरोप है कि उसने कुछ छात्रों के साथ पैसों के बदले परीक्षा से जुड़े सवाल और कंटेंट शेयर किया। CBI ने पुणे कोर्ट को यह जानकारी दी थी। बाद में मनीषा को दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट में लाया गया। स्पेशल जज अजय गुप्ता ने उन्हें छह दिन की CBI की कस्टडी में भेज दिया है। CBI ने पूछताछ और बाकी आरोपियों से आमना-सामना कराने के लिए मनीषा की कस्टडी मांगी थी। CBI ने हवलदार को 22 मई को गिरफ्तार किया था। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने 21 जून को होने वाली नीट (UG) री-एग्जामिनेशन को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और सफल तरीके से आयोजित कराने के लिए देश के सभी मुख्यमंत्रियों, उपराज्यपालों और प्रशासकों को पत्र लिखकर सहयोग मांगा है।

घटना : रात के बाद सुबह खेत में सन्नाटा, साइकिल ने खोला पहला सुराग

खेत के किनारे मिला खून से सना राज

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर । महरुआ थाना क्षेत्र के सेहरा जलालपुर गांव में एक ऐसी घटना सामने आई है जिसने पूरे इलाके को सन्न कर दिया है। दूध विक्रेता अजय कुमार का शव सोमवार सुबह गांव के बाहर खेत में पड़ा मिला। घर से महज 200 मीटर की दूरी पर मिली यह लाश कई सवाल छोड़ गई है। सबसे अजीब बात यह रही कि उनकी साइकिल खेत के किनारे खड़ंजे पर सीधी खड़ी मिली, जैसे किसी ने उसे रोककर वहीं छोड़ दिया हो। सुबह जब तलाश शुरू हुई तो उनके दोनों बेटे आकाश और आदित्य गांव के बाहर की ओर गए। वहां जो दृश्य दिखा, उसने पूरे परिवार की दुनिया बदल दी। साइकिल पास में खड़ी थी, लेकिन कुछ कदम दूर खेत में अजय कुमार का शव पड़ा था। बच्चों की चीख सुनकर गांव दौड़ पड़ा। पुलिस जांच में सामने आया कि अजय के सिर पर ईंट से कई वार किए गए हैं। पास के खेत में संघर्ष के निशान भी मिले हैं।

» (शेष पेज 06 पर)

■ प्रारंभिक पूछताछ में परिजनों ने एक रिश्तेदार से कहासुनी की बात बताई है। पुलिस ने इसे एक संभावित दिशा माना है, लेकिन अभी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है।

■ अजय का मोबाइल अब सबसे अहम सुराग बन गया है। आखिरी कॉल, आखिरी लोकेशन और आखिरी बातचीत-हर चीज खंगाली जा रही है।

रात आठ बजे के बाद गायब हुआ आदमी, फोन भी बंद

परिजनों के मुताबिक अजय कुमार रविवार शाम दूध लेकर डेयरी के लिए निकले थे। रोज की तरह सब कुछ सामान्य था। लेकिन रात आठ बजे के बाद वह अचानक गायब हो गए। मोबाइल पर कॉल किया गया तो फोन बंद मिला। घर में किसी को अंदाजा नहीं था कि कुछ ही घंटों बाद खेत में एक अनजान सन्नाटा उनका इंतजार कर रहा है।

प्रतीक की तेरहवीं में अपर्णा रोईं अखिलेश को खाना परोसा

डिंपल समेत पूरा यादव परिवार शामिल, योगी भी पहुंचे

शोक

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के भाई प्रतीक की आज तेरहवीं हुई। कार्यक्रम में पत्नी अपर्णा यादव ने पूड़ियां बांटीं। अखिलेश यादव को खाना परोसा। इस दौरान जब लोगों ने 'प्रतीक भैया अमर रहें' के नारे लगाए, तो वह खुद को रोक नहीं पाईं। उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। उन्होंने हाथ जोड़कर लोगों का अभिवादन किया और घर के अंदर चली गईं।

सीएम योगी भी तेरहवीं में शामिल हुए। उन्होंने प्रतीक को श्रद्धांजलि दी और अपर्णा को सांत्वना दी। अखिलेश, शिवपाल यादव और डिंपल यादव समेत पूरा परिवार अपर्णा के घर पहुंचा। राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने भी पूड़ियां बांटीं। लोकगायिका मालिनी अवस्थी और अभिनेता राजपाल यादव भी तेरहवीं में पहुंचे।

» (शेष पेज 06 पर)

राजपाल यादव ने प्रतीक को दी श्रद्धांजलि

अभिनेता राजपाल यादव अपर्णा यादव के आवास पर प्रतीक यादव की तेरहवीं रस्म में पहुंचे। उन्होंने प्रतीक यादव को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि प्रतीक यादव के साथ अनहोनी हुई। यह बहुत दुख देने वाली अनहोनी है। उनका जाना दुखद है।

बेटे और सेक्रेटरी ने भी दिया साथ, बोली- नौकरी का डर दिखाकर किया गंदा काम

पादरी ने प्रिंसिपल से किया गैंगरेप

शर्मनाक

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में रविवार को स्कूल प्रिंसिपल से गैंगरेप का मामला सामने आया है। संस्था 'डायसिस ऑफ लखनऊ' के अंतर्गत स्कूल चलता है। प्रिंसिपल ने बताया- संस्था के चेयरमैन, उनके बेटे और सेक्रेटरी ने नौकरी से निकालने का डर दिखाकर मेरे साथ गंदा काम किया। विरोध करने पर गालियां और जान से मारने की धमकी दी।

इन लोगों ने यह भी कहा कि तुम मेरे ऊपर के अधिकारियों को भी संतुष्ट करो, तभी तुम्हारी नौकरी बचेगी। नौकरी जाने के डर से मैंने इस बारे में किसी नहीं बताया। इस मामले में मेरा पूर्व पति भी शामिल है। जब मुझसे यह सब सहन नहीं हुआ, तब मैंने कर्नलगंज थाने में शिकायत शिकायत की। प्रिंसिपल ने 23 मई को बिशप मॉरिस एडगर दान, उनके बेटे एलन दान, सेक्रेटरी राकेश चत्री समेत 4 लोगों पर कर्नलगंज थाने में FIR दर्ज कराई है। महिला मूलरूप से बिहार की रहने वाली है। करीब 15 साल पहले वह प्रयागराज आईं। यहां कटरा के एक स्कूल उन्हें हेडमिस्ट्रेस बनाया गया। तब से वह यहीं काम कर रही हैं। यह स्कूल चर्च ऑफ नॉर्थ इंडिया के लखनऊ डायसिस बिशप के अंतर्गत आता है। महिला ने 2 साल पहले अपने पति से तलाक ले लिया था। प्रिंसिपल बताती हैं- मैं तलाकशुदा महिला हूं। डायसिसयन एजुकेशन बोर्ड (DEB) की ओर से चल रहे एक स्कूल में प्रिंसिपल हूं। संस्था के सचिव राकेश चत्री, चेयरमैन मॉरिस एडगर दान और उनका बेटा एलन दान मुझे एक साल से लगातार परेशान कर रहे हैं।

चेयरमैन मॉरिस एडगर दान

> एसीपी कर्नलगंज विमल किशोर मिश्र ने बताया कि शिकायत मिलने पर एफआईआर दर्ज की गई है। महिला ने जो भी आरोप लगाए हैं, उनकी जांच-पड़ताल कराई जा रही है। मेडिकल और बयान के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रिंसिपल ने बताया कि नौकरी जाने के डर से मैंने अपने साथ हो रहे गंदे काम के बारे में किसी को नहीं बताया।

बोलीं- मेरा पूर्व पति भी उनका सहयोग करता है

प्रिंसिपल ने कहा- अब इन तीनों लोगों का अत्याचार और नहीं सहा जा रहा। तीनों लोगों ने मेरा शोषण किया है। ये लोग मुझे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित कर रहे हैं। इस घटना का सभी सबूत मेरे पास मौजूद हैं। मेरे साथ जो भी गंदा काम हुआ, उसके बारे में मेरे पूर्व पति विशाल नोवेल सिंह को भी पता है। उसने भी इन लोगों का साथ दिया है।

मुझसे कहते हैं कि अधिकारियों को संतुष्ट करो

नौकरी जाने के डर से मैंने इनकी हरकतों के बारे में किसी को नहीं बताया। इन लोगों ने यह भी कहा कि तुम मेरे ऊपर के अधिकारियों को संतुष्ट करो। 7 मई को मॉरिस एडगर दान ने फोन करके मुझे सेक्रेटरी राकेश चत्री के घर जाने के लिए कहा। मैंने मना किया तो गालियां देते हुए मेरे पूरे परिवार को जान से मारने और मुझे नौकरी से निकालने की धमकी दी।

तीनों लोग लगातार मेरे साथ गंदा काम करते रहते हैं। मेरे मना करने पर एक पूर्व प्रिंसिपल का नाम लेकर कहा कि जैसा कह रहा हूं, वैसा करती जाओ। नहीं तो उसके जैसा ही तुम्हारा भी हाल होगा।

महोबा कांड को लेकर गोरखपुर में हुआ कांग्रेस का प्रदर्शन

जिलाध्यक्ष बोले- आरोपी को फांसी हो

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । गोरखपुर में सोमवार को जिला कांग्रेस कमेटी ने महोबा की एक छात्रा के साथ कथित दुष्कर्म और उत्पीड़न के मामले को लेकर जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और बाद में राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा।

कांग्रेस नेताओं का कहना है कि महोबा में रहकर नीट की तैयारी कर रही छात्रा के साथ गंभीर अपराध हुआ है। पार्टी ने मामले में सभी आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

जानकारी के अनुसार, मध्य प्रदेश की रहने वाली 25 वर्षीय छात्रा महोबा में रहकर नीट की तैयारी कर रही थी। आरोप है कि 30 अप्रैल को कोचिंग से लौटते समय कार सवार युवकों ने उसका अपहरण कर लिया। पीड़िता के बयान के आधार पर पुलिस ने मोहित, अंकित और संतराम नाम के तीन आरोपियों को हिरासत में लिया है। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि छात्रा को कई दिनों तक बंधक बनाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया और उसके साथ अमानवीय व्यवहार किया गया। पार्टी ने कहा कि इस घटना से प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति पर सवाल खड़े होते हैं। बातचीत में कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजेश तिवारी ने कहा- "महोबा में रहकर एक दलित छात्रा जो नीट कि तैयारी कर रही थी जिसे कुछ आपराधिक तत्वो द्वारा अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म किया गया।

फास्ट न्यूज़

100 रोजरिंग्ड तोतों के साथ तस्कर गिरफ्तार

गोरखपुर। गोरखपुर में अंतर्राज्यीय स्तर पर संरक्षित वन्यजीवों की तस्करी करने वाले गिरोह के खिलाफ एसटीएफ को बड़ी सफलता मिली है। एसटीएफ ने शुक्रवार रात गुलहरिया क्षेत्र के नंदानगर बस स्टैंड एयरपोर्ट के पास से एक तस्कर को 100 रोज़रिंग्ड प्रजाति के तोतों के साथ गिरफ्तार किया।

आरोपी इन प्रतिबंधित पक्षियों को गोरखपुर से पटना ले जाने की तैयारी में था।

गोरखपुर में पैर दबाकर छीना सोने का चैन

गोरखपुर। गोरखपुर में ई रिक्शा से सफर कर रही एक बुजुर्ग महिला के गले से महिलाओं के गैंग ने चैन चुरा लिया। साजिश के तहत उन्होंने पहले पीड़ित के पैर की ऊंगली दबा दी। दर्द होने पर जैसे ही वह नीचे देखने के लिए झुकी शातिर महिलाओं ने हाथ साफ कर लिया।

पीड़िता जब घर पहुंची तब उन्हें चैन गायब होने की जानकारी हुई। उन्होंने पहले इधर-उधर ढूंढा। काफी देर तक नहीं मिलने के बाद उनके बेटे ने कैंट थाना पहुंच कर इसकी शिकायत दर्ज करवाई। तहरीर के आधार पर FIR दर्ज कर ली गई है। पुलिस छानबीन में जुटी है।

गोरखपुर में मर्डर कर नदी में फेंकी लाश

गोरखपुर । गोरखपुर के सहजनवा ब्लॉक अंतर्गत भरसाड़ ग्राम सभा में सोमवार सुबह आमी नदी से एक अज्ञात युवक का शव बोरे में बरामद हुआ। सेमरहवा बाबा स्थित आमी नदी के पुल के पास ग्रामीणों ने नदी में तैरते बोरे को संदिग्ध अवस्था में देखा, जिसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही गीडा थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। स्थानीय गोताखोरों और ग्रामीणों की मदद से बोरे को नदी से बाहर निकाला गया।

अयोध्या के अस्पताल में उल्टी दस्त और बुखार के मरीज बढ़े

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या । अयोध्या में बढ़ती गर्मी और उमस का असर लोगों की सेहत पर दिखाई देने लगा है। बच्चे और बुजुर्ग सबसे ज्यादा बीमार हो रहे हैं। जिले के सरकारी अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ गई है।

पहले जहां अस्पतालों की ओपीडी में करीब 200 मरीज आते थे, अब यह संख्या 300 से ज्यादा हो गई है। अस्पतालों में उल्टी, दस्त, पेट दर्द, बुखार, जुकाम और सांस की परेशानी वाले मरीज बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं।

स्वास्थ्य विभाग लोगों को गर्मी से बचने की सलाह दे रहा है। इसके बावजूद मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। अस्पतालों में अतिरिक्त वार्ड तैयार किए गए हैं और हीट वेव से जुड़े मरीजों पर नजर रखी जा रही है। कुमारगंज के 100 बेड अस्पताल में अयोध्या के साथ अमेठी और सुल्तानपुर से भी मरीज इलाज के लिए आ रहे हैं। डॉक्टरों के अनुसार बच्चों में उल्टी-दस्त और लूज मोशन की शिकायत ज्यादा देखी जा रही है। गंभीर हालत होने पर बच्चों को भर्ती भी किया जा रहा है।

डॉक्टरों ने बताया कि अस्पताल में रोज करीब 3000 जांचें की जा रही हैं। कई मरीजों में खून की कमी की समस्या भी मिल रही है।

अस्पताल प्रशासन का कहना है कि गर्मी और उमस के कारण वायरल बुखार, डिहाइड्रेशन और पेट से जुड़ी बीमारियां बढ़ रही हैं। गंभीर मरीजों का अस्पताल में इलाज किया जा रहा है और जरूरत पड़ने पर उन्हें मेडिकल कॉलेज भेजा जा रहा है।

सुझाव : मंत्री कपिल देव अग्रवाल की प्रशिक्षण एवं सेवायोजन स्थायी समिति के सदस्यों के साथ हुई बैठक

रोजगार मेलों के जरिए युवाओं को उद्योगों से जोड़ने पर जोर

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने सोमवार को प्रशिक्षण एवं सेवायोजन स्थायी समिति के सदस्यों के साथ विधानसभा स्थित अपने कार्यालय कक्ष संख्या-58 में प्रशिक्षण एवं सेवायोजन स्थायी समिति की बैठक की। बैठक में कौशल विकास एवं प्रशिक्षण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर व्यापक चर्चा हुई और सदस्यों ने अपने सुझाव भी दिए।

मंत्री अग्रवाल ने प्रदेश के राजकीय एवं निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) की संख्या, प्रवेश एवं प्रशिक्षण की अद्यतन स्थिति की जानकारी दी । वर्तमान में सरकारी आईटीआई में लगभग 1.29 लाख तथा निजी आईटीआई में 2.77 लाख युवाओं का प्रवेश हुआ है। उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक एवं औद्योगिक मांग के अनुरूप "न्यू एज स्किल्स" जैसे रोबोटिक्स, सीएनसी मशीनिंग, इलेक्ट्रिक व्हीकल, कंप्यूटर एवं अन्य तकनीकी क्षेत्रों में प्रशिक्षण को और सुदृढ़ करने पर विशेष बल दिया जा रहा है।

> "न्यू एज स्किल्स" पर विशेष फोकस, रोबोटिक्स, ईवी, सीएनसी जैसे क्षेत्रों को बढ़ावा
> टाटा टेक्नोलॉजीज के सहयोग से 150 आईटीआई का आधुनिकीकरण
> "प्रोजेक्ट प्रवीण" के माध्यम से इंटर स्तर पर तकनीकी दक्षता का विस्तार
> प्रदेश में 5 सेंटर ऑफ इनोवेशन की स्थापना

युवाओं को उद्योगों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए

उन्होंने अवगत कराया कि योगी सरकार के प्रयासों से टाटा टेक्नोलॉजीज के साथ हुए समझौते के अंतर्गत प्रदेश के 150 आईटीआई संस्थानों को अत्याधुनिक मशीनों एवं तकनीकी संसाधनों से सुसज्जित किया जा रहा है, जिससे युवाओं को उद्योगों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने बताया कि कौशल विकास मिशन के अंतर्गत स्टेट स्किल डेवलपमेंट फंड (SSDF) के लिए 1000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिसका उपयोग युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण प्रदान करने में किया जा रहा है। "प्रोजेक्ट प्रवीण" के माध्यम से इंटर कॉलेज स्तर के विद्यार्थियों को सामान्य शिक्षा के साथ तकनीकी दक्षता से भी जोड़ा जा रहा है।

मंत्री अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश में पांच "सेंटर ऑफ इनोवेशन, इंटीग्रेशन एंड इनोवेशन (C-III)" स्थापित किए जा रहे हैं, जो भविष्य में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित होंगे और उन्नत तकनीकी प्रशिक्षण का केंद्र बनेंगे।

गम और आक्रोश में डूबा गांव भारी पुलिस बल की मौजूदगी में हुआ सुपुर्द-ए-खाक

बोलेरो-बाइक हादसे में दो सगे भाइयों की मौत

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। मोहम्मदपुर खाला थाना के महावीर गोल्ड स्टोर के सामने रविवार सुबह हुए दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दो सगे भाइयों के मौत के बाद पूरे क्षेत्र में मातम और आक्रोश का माहौल बना रहा। इस घटन को लेकर रविवार सुबह हादसे के बाद से शुरू हुआ हंगामा देर रात तक चलता रहा जिसके बाद पुलिस ने समझा बुझाकर हंगामा शांत कराया था, जिसके बाद सोमवार को दोपहर बाद भारी पुलिस बल की मौजूदगी में दोनों शवों को सुपुर्द-ए-खाक किया गया। बताया जा रहा है कि रविवार सुबह तेज रफ्तार बोलेरो और बाइक की आमने-सामने हुई भीषण टक्कर में एखलाशुद्दीन की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि गंभीर रूप से घायल उसके भाई इस्लामुद्दीन ने मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया था। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर तथा सीएचसी सूरतगंज पहुंच गए। घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने सीएचसी सूरतगंज में बुलेरो चालक पर कार्रवाई को लेकर घंटों हंगामा किया और पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की थी। आक्रोशित लोग दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे थे। सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सूचना पर पहुंचे क्षेत्राधिकारी फतेहपुर जगतराम कन्नौजिया भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर लोगों को समझाया और कार्रवाई का भरोसा दिलाया। काफी देर बाद ग्रामीण शांत हुए और जाम समाप्त कराया गया। सोमवार को फतेहपुर क्षेत्राधिकारी जगतराम कन्नौजिया, थाना प्रभारी निरीक्षक अमित सिंह भदौरिया , सूरतगंज चौकी इंचार्ज उमेश कुमार वर्मा तथा भारी पुलिस बल की मौजूदगी में सोमवार को करीब साढ़े तीन बजे दोनों शवों को गमगीन माहौल में सुपुर्द-ए-खाक किया गया। इस दौरान गांव में सन्नाटा पसरा रहा और हर आंख नम दिखाई दी। मृतक एखलाशुद्दीन अपने तीन भाइयों में सबसे छोटा था। जबकि दूसरा भाई इस्लामुद्दीन सबसे बड़ा था परिवार में उसकी पांच बहनें हैं, जिनमें एक की शादी हो चुकी है जबकि चार बहनों की शादी अभी बाकी है।

> पुलिस प्रशासन के काफी समझाने-बुझाने आश्वासन के बाद पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। देर शाम जब पोस्टमार्टम के बाद दोनों शव गांव पहुंचे तो एक बार फिर ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। परिवारीजनों और ग्रामीणों ने सूरतगंज-फतेहपुर मार्ग पर शव रखकर जाम लगा दिया और प्रदर्शन शुरू कर दिया।

गोरखपुर में मामा-भांजा की गैंग पकड़ी गई

गोरखपुर। गोरखपुर में मामा-भांजा की गैंग का पीपीगंज पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पीपीगंज थाने की पुलिस ने 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर सरकारी स्कूलों व भवनों में चोरी करने वाली गैंग का पर्दाफाश किया है। इस गैंग को मामा-भांजा मिलकर चलाते थे। यह गैंग रेकी करके रात के समय सरकारी स्कूलों को निशाना बनाती थी।

वहां से सिलेंडर, टीवी और कीमती सामान उड़ाकर सस्ते दाम में बेच देते थे। पकड़े गए 09 आरोपियों में 5 चोरी का सामान खरीदने के आरोप में दबोचे गए हैं। पूछताछ में 6 स्कूलों में चोरी करने जुर्म आरोपियों ने स्वीकार किया है। मामा और भांजा ने बताया कि वर्तमान समय में सिलेंडर नहीं मिल रहा है। इसलिए चोरी के सिलेंडर से घर में खाना बनाते थे। गैस खत्म होने पर सिलेंडर बेच देते थे। गैंग में कैंपियरगंज कुआरे गांव का रमेश उर्फ सूईत, पीपीगंज जंगल कौड़िया का अनिल, प्रवीण यादव और सन्नी गौड़ सक्रिय सदस्य हैं। इसमे प्रवीण यादव रमेश उर्फ सूईत का मामा है।

गोरखपुर का पहला सिक्सलेन फ्लाईओवर बनकर तैयार

अधिकतम 50 किमी प्रति घंटे होगी स्पीड

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर का पहला सिक्सलेन फ्लाईओवर बनकर तैयार हो गया है। जल्द ही मुख्यमंत्री के हाथों इसका उद्घाटन भी किया जाएगा। इस पर स्पीड की सीमा भी निर्धारित कर दी गई है। 2.2 किलोमीटर लंबे इस फ्लाईओवर पर जहां तक सड़क सीधी है, वहां अधिकतम 50 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से गाड़ी चला सकेंगे। जहां कर्व होगा, वहां अधिकतम स्पीड 30 किलोमीटर प्रति घंटे होगी। सेतु निगम की आर से इसकी जानकारी देने के लिए जगह-जगह गति सीमा बोर्ड लगाया जा रहा है।

सिक्सलेन फ्लाईओवर पूरी तरह बनकर तैयार है। देवरिया बाईपास फोरलेन फ्लाईओवर की एक लेन सिक्सलेन फ्लाईओवर से जोड़ी जा चुकी है। दूसरी लेन का काम तेजी से चल रहा है। इसी महीने इसके जोड़ लिए जाने की संभावना है। लेन जुड़ने के 21 दिन बाद कंक्रीट मजबूत होते ही सड़क यातायात के लिए खोल दी जाएगी। फ्लाईओवर के डिवाडर को केसरिया रंग से रंगने का काम भी तेजी से पूरा कराया जा रहा है। सिक्सलेन फ्लाईओवर के पिलर के दोनों तरफ पेंटिंग का काम तेजी से पूरा कराया जा रहा है। हर पिलर पर पेंटिंग के लिए विशेष थीम बनाई गई है। उद्देश्य है कि फ्लाईओवर के नीचे से गुजरने वाले यात्रियों को हर पिलर की पेंटिंग से कुछ सीखने का अवसर मिले। वह गोरखपुर की सांस्कृतिक व ऐतिहासिक विरासत को जानें और दूसरों को इसके बारे में बताकर उन्हें गोरखपुर से जोड़ें।

वारदात : प्रेम संबंध छिपाने के लिए बहन ने ली मासूम अनुष्का की जान

रिश्तों का खून

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के बसारी गांव में 11 वर्षीय मासूम अनुष्का हत्याकांड का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर ऐसा खुलासा किया, जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। इस सनसनीखेज मामले में कोई बाहरी नहीं, बल्कि सगी बड़ी बहन ही हत्यारोपी निकली। प्रेम संबंध उजागर होने के डर में उसने अपने प्रेमी के साथ मिलकर मासूम बहन की गला दबाकर हत्या कर दी। घटना वाले दिन अनुष्का अपनी बहनों के साथ खेत में मेंथा की रोपाई करने गई थी। इसी दौरान काजल अपने प्रेमी शिवम से पास के खेत में मिलने पहुंची।

बताया जा रहा है कि अनुष्का ने दोनों को आपत्तिजनक हालत में देख लिया और घर जाकर सब बताने की बात कही। बस यही बात काजल और शिवम के लिए खतरा बन गई। राज खुलने के डर से दोनों ने मिलकर अनुष्का का गला दबा दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद दोनों ने शव को पास के गेहूं के खेत में फेंक दिया और खुद को सामान्य दिखाने की कोशिश की। इतना ही नहीं, काजल खुद घर पहुंची और अनुष्का के लापता होने का नाटक रचते हुए परिवार और पुलिस को गुमराह करती रही। यहां तक कि उसने आत्मविश्वास के साथ बयान देकर खुद को बेगुनाह साबित करने की भी कोशिश की, जिससे शुरुआत में किसी को उस पर शक नहीं हुआ। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने स्वाट और सर्विलांस टीम की मदद ली। तकनीकी साक्ष्यों और पूछताछ के आधार पर दोनों आरोपियों तक पहुंच बनाई गई और 24 घंटे के भीतर गिरफ्तारी कर ली गई।

प्यार, डर और फिर हत्या-ऐसे बनी पूरी साजिश

पुलिस जांच में सामने आया कि काजल (18) का पड़ोसी गांव के युवक शिवम (20) से पिछले करीब दो महीनों से प्रेम संबंध चल रहा था। दोनों की मुलाकात फेसबुक के जरिए हुई थी, जो धीरे-धीरे गहरे रिश्ते में बदल गई। होली के दौरान जब परिवार को इस रिश्ते की भनक लगी तो पिता ने काजल का मोबाइल तोड़ दिया और सख्त पाबंदी लगा दी। लेकिन इसके बावजूद काजल चोरी-छिपे शिवम से मिलती रही। यही छुपा हुआ रिश्ता आगे चलकर हत्या की वजह बन गया।

> पुलिस को काजल के बयानों में विरोधाभास मिला, जिसके बाद सख्ती से पूछताछ की गई। आखिरकार काजल टूट गई और उसने पूरी साजिश का खुलासा कर दिया। इसके बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

प्रयागराज में बिजली कटौती से हाहाकार, आधा शहर परेशान

25-30 बार ट्रिपिंग से उपकरण फुंके, रात भर गुल रहती है बिजली

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। संगम नगरी में आसमान से बरसती आग के बीच पारा 46.2 डिग्री के पार पहुंच चुका है। इसपर अघोषित बिजली कटौती ने हाहाकार मचा दिया है। पिछले तीन दिनों से शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक बिजली संकट को लेकर जनता का गुस्सा सातवें आसमान पर है। हालात इतने बेकाबू हो चुके हैं कि कई इलाकों में लोगों ने सड़कों पर उतरकर और बिजली उपकेंद्रों का घेराव कर उग्र प्रदर्शन शुरू कर दिया गया है।

प्रयागराज के शहरी इलाकों में जहां रोजाना 5 से 7 घंटे तक की कटौती हो रही है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और भी बदतर है। गांवों में रात-रात भर बिजली गायब रहने से लोग सोने को तरस गए हैं। भीषण गर्मी और लगातार ट्रिपिंग के कारण पेयजल संकट भी गहरा गया है, जिससे आम जनजीवन पूरी तरह पटरी से उतर गया है। हनुमानगंज विद्युत उपकेंद्र पर रात की बिजली कटौती से त्रस्त सैकड़ों ग्रामीणों ने धावा बोल दिया। उग्र ग्रामीणों ने न केवल जमकर नारेबाजी की, बल्कि मौके पर पहुंचे अधिशासी अभियंता और एसी ट्रांसमिशन को तेज धूप में अपने साथ बैठाकर बंधक बना लिया था। ग्रामीणों का साफ कहना था कि जब तक क्षेत्र की आपूर्ति बहाल नहीं होती, किसी अधिकारी को जाने नहीं दिया जाएगा।

बिजली संकट और बदहाल व्यवस्था को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सिविल लाइंस स्थित मुख्य अभियंता कार्यालय का घेराव किया। जिम्मेदार अधिकारियों के न मिलने पर कार्यकर्ताओं ने वहीं धरना शुरू कर दिया। बाद में मौके पर पहुंचे अधिशासी अभियंता शशांक गुप्ता को घेरकर ऊर्जा मंत्री और बिजली विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि 10 घंटे में 25 से 30 बार ट्रिपिंग हो रही है, जिससे घरों के उपकरण फुंक रहे हैं।

सांसद लालजी वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में हुई बैठक, कई विभागों के कार्यों की हुई जांच

दिशा बैठक में विकास योजनाओं की समीक्षा

निर्देश

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर । सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति (दिशा) की बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता सांसद लालजी वर्मा ने की। इसमें विधायक धर्मराज निषाद, राम अचल राजभर, त्रिभुवन दत्त और राम मूर्ति वर्मा समेत जिला पंचायत अध्यक्ष, जिलाधिकारी ईशा प्रिया, मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला और विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक की शुरुआत पिछली दिशा बैठक में दिए गए निर्देशों की अनुपालन रिपोर्ट के साथ हुई। इसके बाद ग्राम्य विकास, समाज कल्याण, कृषि, राजस्व, पंचायती राज, नगर विकास, पशुपालन, महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, खनन, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण और श्रम विभाग की योजनाओं की विभागवार समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन परियोजनाओं में 80 प्रतिशत से अधिक काम पूरा हो चुका है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरा कराया जाए। साथ ही सड़क मरम्मत का काम गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए गए। निर्माणाधीन अन्य परियोजनाओं को तय समय सीमा में पूरा करने पर भी जोर दिया गया। बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर भी चर्चा हुई। सभी अस्पतालों में मरीजों और उनके तीमारदारों के साथ सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने पर भी जोर रहा।

> सिंचाई विभाग की समीक्षा के दौरान नहरों और माइनरों की सफाई समय से पूरी कराने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों से कहा गया कि किसानों को जरूरत के मुताबिक समय पर पानी उपलब्ध कराया जाए।

जल जीवन मिशन में सड़क मरम्मत पर विशेष निर्देश

बैठक में जल जीवन मिशन के तहत चल रही "हर घर जल" योजना की समीक्षा भी की गई। पाइपलाइन बिछाने के दौरान क्षतिग्रस्त हुई सड़कों और रास्तों की मरम्मत का मुद्दा प्रमुखता से उठा।

प्रधानमंत्री आवास और ग्रामीण सड़क योजनाओं पर चर्चा

बैठक में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण एवं शहरी, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम और राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम की प्रगति पर विस्तार से चर्चा हुई। अधिकारियों से योजनाओं की मौजूदा स्थिति और लाभार्थियों तक पहुंच की जानकारी ली गई। सांसद लालजी वर्मा ने कहा कि सभी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पारदर्शी और प्रभावी तरीके से पहुंचना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को जनप्रतिनिधियों और समिति सदस्यों से मिलने वाली शिकायतों और सुझावों का समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए।

खेत तालाब योजना के लिए 16 लक्ष्य तय, 52,500 रुपये तक अनुदान

दर्शन पोर्टल पर ई-लॉटरी से होगा चयन, सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली लगाना जरूरी

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । वर्षा जल संचयन और सिंचाई सुविधा बढ़ाने के लिए खेत तालाब योजना के तहत किसानों को अनुदान दिया जाएगा। भूमि संरक्षण विभाग को वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए जनपद में 16 लक्ष्य आवंटित किए गए हैं। किसानों का चयन कृषि विभाग के दर्शन पोर्टल के जरिए ई-लॉटरी और ऑटो कन्फर्म प्रक्रिया से किया जाएगा।

भूमि संरक्षण अधिकारी बृजेश कुमार ने बताया कि योजना राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत "ड्रॉप मोर क्रॉप" उपघटक में संचालित की जा रही है। योजना का उद्देश्य वर्षा जल का संरक्षण, भूगर्भ जल स्तर बढ़ाना और किसानों को अतिरिक्त आय के अवसर उपलब्ध कराना है।

दस्तावेज अपलोड होने के बाद भूमि संरक्षण अधिकारी स्थलीय निरीक्षण करेंगे। भूमि उपयुक्त पाए जाने पर किसान को 30 दिन के भीतर तालाब खुदवाना होगा। तालाब की खुदाई मशीन से कराई जाएगी।

लघु खेत तालाब का आकार 22 मीटर × 20 मीटर × 3 मीटर निर्धारित किया गया है। इसकी कुल लागत 1 लाख 5 हजार रुपये तय की गई है। किसानों को लागत का 50 प्रतिशत यानी 52,500 रुपये अनुदान के रूप में मिलेगा।

अनुदान की पहली किस्त 39,375 रुपये कच्चा कार्य पूरा होने पर दी जाएगी। दूसरी किस्त 13,125 रुपये पक्का कार्य और इनलेट निर्माण पूरा होने के बाद दी जाएगी। इसके अलावा इच्छुक किसानों को वाटर लिफ्टिंग डिवाइस के तहत इलेक्ट्रिक या डीजल पंपसेट पर भी 50 प्रतिशत अनुदान मिलेगा।

पोर्टल पर ऑनलाइन करना होगा आवेदन

योजना का लाभ लेने के लिए किसानों को कृषि विभाग के दर्शन पोर्टल 1.0 पर ऑनलाइन बुकिंग करनी होगी। पोर्टल से टोकन कन्फर्म होने के बाद किसानों को 1000 रुपये टोकन मनी ऑनलाइन जमा करनी होगी। इसके बाद किसान को 10 दिन के भीतर खतौनी, खेत की फोटो और निर्धारित घोषणा पत्र पोर्टल पर अपलोड करना होगा। तय समय तक दस्तावेज अपलोड न करने या टोकन मनी जमा न करने पर आवेदन स्वतः निरस्त हो जाएगा और टोकन राशि जब्त कर ली जाएगी।

फास्ट न्यूज

महोबा घटना को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

अम्बेडकरनगर । सोमवार को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने महोबा की पीड़ित छात्रा को न्याय दिलाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष गुलाम रसूल "छोटू" ने कहा कि महोबा में नीट की तैयारी कर रही दलित छात्रा के साथ हुई घटना ने प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि छात्रा के अपहरण, बंधक बनाकर दुष्कर्म और प्रताड़ना जैसी घटनाएं बेहद गंभीर हैं।

ऑपरेशन मुस्कान के तहत जलालपुर पुलिस ने नाबालिग बच्ची को परिजनों से मिलाया

अम्बेडकरनगर । जलालपुर थाना पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान अभियान के तहत सराहनीय कार्रवाई करते हुए एक नाबालिग बच्ची को उसके परिजनों से सकुशल मिलाया। बच्ची जलालपुर कस्बे में भटकती हुई मिली थी। पुलिस की सक्रियता और संवेदनशीलता से उसे सुरक्षित परिवार तक पहुंचाया गया।

पुलिस के अनुसार 24 मई 2026 को करीब 10 वर्षीय बच्ची निशा जलालपुर कस्बे में अकेली घूमती मिली।

माती चौकी कांडः 22 लोगों को 7 साल की सजा

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले के चर्चित 'माती चौकी बवाल' कांड में 11 साल बाद अदालत ने फैसला सुनाया है। कोर्ट ने चौकी फूंकने, लूटपाट, पुलिस पर हमले और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के मामले में 22 आरोपियों को दोषी करार देते हुए 7-7 साल की कैद की सजा सुनाई है।

विद्यार्थी विज्ञान मंथन 2026-27 की विवरणिका और पोस्टर का विमोचन

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । लखनऊ स्थित पायनियर मांटेसरी इंटर कॉलेज एल्डिको में रविवार को विद्यार्थी विज्ञान मंथन 2026-27 की राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। इसी दौरान राष्ट्रीय स्तर की विज्ञान प्रतिभा खोज परीक्षा के लिए विवरणिका और पोस्टर का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में विज्ञान भारती के संगठन मंत्री अंकित राय, लमहासचिव और आईआईटीआर के प्रधान वैज्ञानिक रजनीश चतुर्वेदी, वीवीएम जोनल कोआर्डिनेटर शर्मिला सिंह, राज्य समन्वयक प्रदीप नारायण मिश्र, नीरज यादव और डॉ. आशुतोष तिवारी समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यशाला में विज्ञान भारती, एनसीईआरटी और एनसीएसएम के तत्वावधान में आयोजित होने वाली परीक्षा की विस्तृत जानकारी साझा की गई। कार्यक्रम में प्रदेश के 27 जनपदों से आए जिला समन्वयक और विज्ञान शिक्षक भी शामिल हुए।

बैठक में विद्यार्थियों के बीच विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने और अधिक से अधिक पंजीकरण सुनिश्चित करने की रणनीति पर चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि विद्यार्थी विज्ञान मंथन छात्रों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने और उनकी प्रतिभा को राष्ट्रीय स्तर पर मंच देने का माध्यम है। अधिकारियों ने विद्यालय स्तर पर अभियान चलाकर छात्रों को जोड़ने पर बल दिया। कहा गया कि इस परीक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धात्मक भावना और वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित होता है।

■ लखनऊ में राज्य स्तरीय कार्यशाला, 27 जनपदों के शिक्षक और समन्वयक शामिल

कटका में आधी रात शॉर्ट सर्किट से घर में लगी आग, लाखों का सामान राख

मंजीरा पुरवे में देर रात उठी लपटें, ग्रामीणों ने मशक्कत कर बुझाई आग

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । कटका थाना क्षेत्र के मंजीरा पुरवे गांव में रविवार देर रात अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। लाले निषाद के घर में करीब रात 2 बजे शॉर्ट सर्किट से आग भड़क उठी। कुछ ही मिनटों में आग ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बिजली के शॉर्ट सर्किट से निकली चिंगारी से आग की शुरुआत हुई। इसके बाद आग तेजी से फैलती गई और घर के अंदर रखा सामान जलने लगा। पीड़ित लाले निषाद ने बताया कि आग से घर में रखा अनाज, कपड़े, बिस्तर, फर्नीचर और अन्य घरेलू सामान पूरी तरह नष्ट हो गया है। उन्होंने कहा कि इस घटना से उन्हें लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। रात के समय अचानक हुई इस घटना से परिवार में दहशत का माहौल बन गया। घटना की जानकारी मिलते ही राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर नुकसान का प्रारंभिक आकलन किया। अधिकारियों ने पीड़ित परिवार को सरकारी नियमों के तहत सहायता और मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया है।

ग्रामीणों ने बाल्टी-पंप से बुझाई आग

आग लगते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पानी व अन्य संसाधनों से आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। हालांकि तब तक घर में रखा अधिकतर सामान जलकर राख हो चुका था। आग की तीव्रता इतनी ज्यादा थी कि घर का कोई हिस्सा सुरक्षित नहीं बच सका।

> घटना के बाद गांव में बिजली सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि बिजली लाइनों की जांच की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

हंसवर में अवैध खनन पर बड़ी कार्रवाई, तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली सीज

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । अवैध खनन और बिना अनुमति मिट्टी परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत हंसवर थाना क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की गई। थाना हंसवर पुलिस, खनन विभाग और एआरटीओ की संयुक्त टीम ने ग्राम हरनीडीह में छापेमारी कर तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली को सीज किया।

यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी हरेन्द्र कुमार और क्षेत्राधिकारी टांडा शुभम कुमार के पर्यवेक्षण तथा थानाध्यक्ष हंसवर अभिनेष कुमार के नेतृत्व में की गई। 25 मई 2026 को पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम हरनीडीह में अवैध रूप से मिट्टी का खनन और परिवहन किया जा रहा है। सूचना पर पुलिस बल, खनन विभाग और एआरटीओ की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पाया गया कि कुछ लोग बिना अनुमति के मिट्टी का खनन कर ट्रैक्टर-ट्रॉली के माध्यम से परिवहन कर रहे थे। टीम ने सभी वाहनों को खनन अधिनियम और मोटर वाहन अधिनियम की धारा 213(5) के तहत सीज कर दिया। वाहनों को थाना हंसवर परिसर में खड़ा कराया गया है। कार्रवाई में जिला खनन अधिकारी कमलेश साहू और उनकी टीम, पीटीओ सुरेन्द्र कुमार, थानाध्यक्ष हंसवर अभिनेष कुमार, कांस्टेबल कुलदीप सिंह, राजा यादव और योगेश कुमार शामिल रहे।

■ पुलिस, खनन विभाग और एआरटीओ की संयुक्त टीम ने हरनीडीह में की छापेमारी

नगर पालिका और प्रशासन की संयुक्त कार्रवाई, दोबारा अतिक्रमण पर सख्ती की चेतावनी

शहजादपुर सब्जी मंडी हटाई गई अब वार्ड नंबर-5 में लगेगी दुकानें

प्रशासन ने मंडी में लग रही सब्जी की दुकानों को हटवाकर उन्हें वार्ड नंबर-5 छवनिया संघतिया, संजय टॉकीज के पीछे निर्धारित स्थान पर शिफ्ट करा दिया।

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । सोमवार को नगर पालिका और प्रशासन की संयुक्त टीम ने शहजादपुर सब्जी मंडी को हटाकर क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कराया। कार्रवाई एसडीएम सदर प्रतीक्षा सिंह, नगर पालिका परिषद अकबरपुर की ईओ बीना सिंह और कोतवाल अकबरपुर श्रीनिवास पांडे की मौजूदगी में की गई। अभियान में शहजादपुर चौकी पुलिस बल भी शामिल रहा।

जिलाधिकारी ईशा प्रिया के निर्देश पर शहजादपुर सब्जी मंडी को अतिक्रमण मुक्त कराने की कार्रवाई की गई। शहर में लगातार बढ़ रहे जाम और अव्यवस्थित बाजार व्यवस्था को लेकर डीएम पहले से गंभीर थीं। उनके निर्देश के बाद प्रशासन और नगर पालिका की संयुक्त टीम ने अभियान चलाकर मंडी को निर्धारित स्थान पर शिफ्ट कराया। डीएम ईशा प्रिया ने अधिकारियों को साफ निर्देश दिए हैं कि शहर में सार्वजनिक सड़कों और बाजार क्षेत्रों पर अवैध कब्जा नहीं होने दिया जाए। साथ ही सब्जी विक्रेताओं के लिए वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित कर व्यवस्थित बाजार संचालन पर भी जोर दिया गया है।

एसडीएम प्रतीक्षा सिंह का बयान

एसडीएम सदर प्रतीक्षा सिंह ने कहा कि शहजादपुर क्षेत्र में लंबे समय से अतिक्रमण की समस्या बनी हुई थी। इससे यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही थी और लोगों को आवागमन में परेशानी हो रही थी। उन्होंने कहा कि सब्जी विक्रेताओं के लिए नगर पालिका की ओर से वार्ड नंबर-5 में व्यवस्थित स्थान उपलब्ध कराया गया है। सभी दुकानदारों से वहीं पर दुकान लगाने को कहा गया है। उन्होंने साफ किया कि सार्वजनिक मार्ग और बाजार क्षेत्र में दोबारा अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

शहर में अतिक्रमण नहीं होने देने की चेतावनी

कार्रवाई के दौरान नगर पालिका प्रशासन ने स्पष्ट किया कि शहर में दोबारा अतिक्रमण नहीं होने दिया जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि सब्जी विक्रेताओं के लिए वैकल्पिक व्यवस्था कर दी गई है। इसके बावजूद यदि पुरानी जगह पर दोबारा दुकान लगाई गई तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। अभियान के दौरान पुलिस बल तैनात रहा। प्रशासन ने मंडी क्षेत्र को पूरी तरह खाली कराया और सड़क किनारे रखे गए अस्थायी ढांचे भी हटवाए।

वीरसिंहपुर सरैया में लगा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, 288 मरीजों की जांच

राजकीय मेडिकल कॉलेज की पहल, बीपी-शुगर जांच के साथ दवाओं का भी वितरण

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । ग्राम वीरसिंहपुर सरैया, सया में सोमवार को राजकीय मेडिकल कॉलेज के कम्यूनिटी मेडिसिन विभाग की ओर से निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। शिविर का आयोजन स्वर्गीय रमा पाण्डेय की पुण्य स्मृति में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिलाधिकारी इशा प्रिया ने किया। स्वास्थ्य शिविर का संचालन मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. मुकेश यादव, उपप्रधानाचार्य डॉ. उमेश कुमार वर्मा और मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अमित पटेल के मार्गदर्शन में हुआ। शिविर के प्रभारी डॉ. शिव रतन रहे। कार्यक्रम में मेडिकल कॉलेज के कई चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे। शिविर में ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य संबंधी परामर्श दिया गया। मरीजों की सामान्य स्वास्थ्य जांच के साथ बीपी और शुगर की जांच भी की गई। जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क दवाएं वितरित की गईं।

डॉ. मुकेश यादव ने कहा कि मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों ने शिविर को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे शिविर लोगों को समय पर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में मददगार साबित होते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि किसी मरीज की स्थिति गंभीर होने पर उसे तुरंत नजदीकी मेडिकल कॉलेज या स्वास्थ्य केंद्र में ले जाकर जांच और इलाज कराना जरूरी है, ताकि समय पर उपचार मिल सके। शिविर में डॉ. शिव रतन, डॉ. अमन कुमार मद्धेशिया, डॉ. राकेश कुमार, डॉ. अर्वी, डॉ. अनिकेत दुर्गी, डॉ. परवीन, डॉ. अतुल, डॉ. प्रिया आर्या और डॉ. केशव मौर्य ने मरीजों की जांच की। डॉक्टरों ने मरीजों को बीमारी के अनुसार जरूरी सलाह भी दी। फार्मासिस्ट भोला चौधरी ने मरीजों को निःशुल्क दवाओं का वितरण किया। स्वास्थ्य शिविर में करीब 288 मरीजों ने सेवाओं का लाभ उठाया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना रहा। शिविर के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का भी प्रयास किया गया।

ड्रंकन ड्राइविंग और प्रेशर हार्न पर सबसे अधिक चालान

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह के आदेश पर सघन अभियान चलाया गया। यह कार्रवाई 23 और 24 मई 2026 को जिलेभर में की गई।

अभियान के दौरान कुल 1080 वाहनों की जांच की गई। नियमों का उल्लंघन मिलने पर कई वाहनों पर कार्रवाई की गई। ड्रंकन ड्राइविंग के मामलों में 18 वाहनों का चालान कर 1,80,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया। वहीं मोडिफाइड साइलेंसर वाले 20 वाहनों पर 20,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया। प्रेशर हार्न लगाने वाले 15 वाहनों पर 1,50,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया। पुलिस ने कहा कि ऐसे उपकरण सड़क सुरक्षा के लिए खतरा बनते हैं।

जानकारी के अनुसार 1 अप्रैल 2025 से जिले में नियमित वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 24 मई 2026 को एक ही दिन में 210 वाहनों का चालान किया गया।

1 मई 2026 से अब तक कुल 4,930 वाहनों का चालान किया जा चुका है। इसी अवधि में 98 वाहनों से 96,900 रुपये शमन शुल्क भी जमा कराया गया है। साथ ही 10 वाहनों को सीज किया गया है।

पुलिस के अनुसार यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है।

■ यातायात नियम उल्लंघन पर सख्ती, 1080 वाहनों की जांच में बड़ी कार्रवाई

अभियान : मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के तहत जिले में विशेष वितरण अभियान

गंगा दशहरा पर गो-संवर्धन की बड़ी पहल

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । गंगा दशहरा के अवसर पर सोमवार को गो-संरक्षण और ग्रामीण आजीविका को मजबूत करने के उद्देश्य से विशेष गोवंश सुपुर्दगी अभियान चलाया गया। मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के तहत जिले के विभिन्न गो-आश्रय स्थलों से कुल 211 गोवंश पात्र लाभार्थियों को सुपुर्द किए गए।अभियान के तहत 117 परिवारों को यह लाभ मिला। कार्यक्रम अलग-अलग गो-आश्रय स्थलों पर आयोजित किया गया, जहां चयनित लाभार्थियों को नियमानुसार गोवंश दिए गए।

अभियान में एक विशेष पहल के तहत कुपोषित बच्चों के परिवारों को भी दुधारू गायें दी गईं। बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा चिन्हित परिवारों को यह सहायता उपलब्ध कराई गई।अधिकारियों के अनुसार इस पहल का उद्देश्य बच्चों के पोषण स्तर में सुधार और ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धि करना है।

जिलाधिकारी इशा प्रिया ने बताया कि मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के तहत सुपुर्द किए गए प्रत्येक गोवंश के पालन-पोषण के लिए लाभार्थियों को 1500 रुपये प्रतिमाह की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि यह योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ पशुपालन को एक स्थायी आय स्रोत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।211 गोवंश, 117 परिवार और 10 कुपोषित परिवारों को मिला सीधा लाभ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने की पहल मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी के अनुसार अभियान में कुल 211 गोवंश 117 परिवारों को सुपुर्द किए गए।

हरख कौड़हा, चाचिकपुर और बनगांव में हुआ मुख्य आयोजन

अकबरपुर स्थित हरख कौड़हा गो-आश्रय स्थल पर एमएलसी हरिओम पांडे ने लाभार्थियों को गोवंश सुपुर्द किए। भीटी के चाचिकपुर में विधायक धर्मराज निषाद की मौजूदगी में वितरण हुआ। वहीं बनगांव में जिलाधिकारी इशा प्रिया और मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला ने लाभार्थियों को गोवंश सौंपे।खण्डहरा और रतना सहित अन्य केंद्रों पर क्षेत्र पंचायत प्रमुखों और अधिकारियों की मौजूदगी में गोवंश सुपुर्द किए गए। पूरे जिले में 23 गो-आश्रय स्थलों पर यह अभियान एक साथ संचालित हुआ।

जीवन ज्योति सहयोग ट्रस्ट करेगा जरूरतमंद परिवारों की मदद

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । गंगा दशहरा के अवसर पर सोमवार को गो-संरक्षण और ग्रामीण आजीविका को मजबूत करने के उद्देश्य से विशेष गोवंश सुपुर्दगी अभियान चलाया गया। मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के तहत जिले के विभिन्न गो-आश्रय स्थलों से कुल 211 गोवंश पात्र लाभार्थियों को सुपुर्द किए गए।अभियान के तहत 117 परिवारों को यह लाभ मिला। कार्यक्रम अलग-अलग गो-आश्रय स्थलों पर आयोजित किया गया, जहां चयनित लाभार्थियों को नियमानुसार गोवंश दिए गए। अभियान में एक विशेष पहल के तहत कुपोषित बच्चों के परिवारों को भी दुधारू गायें दी गईं। बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा चिन्हित परिवारों को यह सहायता उपलब्ध कराई गई।अधिकारियों के अनुसार इस पहल का उद्देश्य बच्चों के पोषण स्तर में सुधार और ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धि करना है। जिलाधिकारी इशा प्रिया ने बताया कि मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के तहत सुपुर्द किए गए प्रत्येक गोवंश के पालन-पोषण के लिए लाभार्थियों को 1500 रुपये प्रतिमाह की आर्थिक सहायता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि यह योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ पशुपालन को एक स्थायी आय स्रोत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।211 गोवंश, 117 परिवार और 10 कुपोषित परिवारों को मिला सीधा लाभ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने की पहल मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी के अनुसार अभियान में कुल 211 गोवंश 117 परिवारों को सुपुर्द किए गए।

■ विधवाओं की बेटियों की शादी और अंतिम संस्कार में सहयोग का निर्णय

सम्पादकीय

घुसपैठियों की वापसी

यह अच्छा है कि पश्चिम बंगाल की नई भाजपा सरकार पहले दिन से ही राज्य के हालात सुधारने वाले एक के बाद एक ठोस फैसले लगातार ले रही है। ऐसा समय की मांग भी है, क्योंकि ममता बनर्जी ने अपने 15 साल के शासन में कई मोर्चों पर राज्य को एक तरह से पटरी से उतारने का काम किया था। इसे देखते हुए शुभेंदु सरकार के लिए यह आवश्यक है कि वह तेजी के साथ निर्णायक फैसले ले। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि बंगाल कई गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। इनमें से कई चुनौतियां ममता सरकार की तुष्टीकरण की नीतियों का परिणाम थीं।

तुष्टीकरण की इन्हीं नीतियों से उपजी समस्याओं से पार पाने के लिए पिछले दिनों शुभेंदु सरकार ने एक ओर जहां मजहबी आधार पर जारी नीतियों को समाप्त करने का फैसला लिया, वहीं दूसरी ओर कानून एवं व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए भी ठोस कदम उठाए हैं। इसी सिलसिले में उसकी ओर से बंगाल में रह रहे बांग्लादेशी घुसपैठियों को चिह्नित करने और उन्हें निकालने के लिए जो कदम उठाने शुरू किए हैं, उनकी सराहना की जानी चाहिए। इन कदमों के तहत घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें हिरासत केंद्र में रखा जाएगा। इसके लिए सभी जिलों में हिरासत केंद्र बनाए जा रहे हैं।

सभी बांग्लादेशी घुसपैठियों को चिह्नित कर उन्हें वापस भेजना आसान काम नहीं, लेकिन राज्य और केंद्र सरकार को मिलकर यह करना ही होगा, क्योंकि एक तो उनकी संख्या बहुत अधिक है और दूसरे उनकी पहचान करना भी कठिन हो गया है। इसका कारण यह है कि तमाम घुसपैठिए फर्जी पहचान पत्र हासिल कर बंगाल के मतदाता बन चुके हैं। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि मतदाता बने ये बांग्लादेशी घुसपैठिए राज्य के कई चुनाव क्षेत्रों के परिणाम को प्रभावित करने में उसी तरह समर्थ हो गए थे, जैसे कि असम में हो गए थे। बांग्लादेशी घुसपैठियों को वापस भेजने के अभियान को सुगम बनाने के लिए भारत सरकार को बांग्लादेश सरकार से भी संपर्क-संवाद करना होगा। बांग्लादेश सरकार के सहयोग के बिना अवैध रूप से भारत आए उनके नागरिकों को वापस भेजना कठिन हो सकता है। इस कठिनाई को हल करने का काम केंद्र सरकार को अपने हाथ में लेना चाहिए। इसके अतिरिक्त यह भी सुनिश्चित करना होगा कि भविष्य में बांग्लादेश से कोई घुसपैठ न होने पाए।

यह एक तथ्य है कि अभी तक संकीर्ण राजनीतिक कारणों और सच कहा जाए तो वोट बैंक की सस्ती राजनीति के कारण बांग्लादेश से होने वाली घुसपैठ की अनदेखी ही नहीं हो रही थी, बल्कि एक तरह से उसे बढ़ावा भी दिया जा रहा था। यह सिलसिला दशकों से कायम था। दुर्भाग्य से ममता बनर्जी ने भी इस सिलसिले पर विराम नहीं लगाया। उलटे वह घुसपैठियों के समर्थन में आ खड़ी हुई थीं।

अनुशासन का प्रभाव

क्या हम दैनिक जीवन में तनिक सा कष्ट तो बिना ओह ऊफ के सहन कर पाते हैं? जरा सी भी मनचाही न होने पर क्या हम शान्तचित्त रह पाते हैं ? जीवन की विषम परिस्थितियों में उद्विग्न तो नहीं हो जाते हैं ? क्या हम भगवान् महावीर की तरह संयत रह पाते हैं? तनिक भी विचलित नहीं हो जाते हैं? जीवन में जो भी कष्ट आते है, क्या हम कर्मोदय मान कर सहन कर लेते हैं? या आलाप-विलाप करने लगते हैं? क्या हम हर परिस्थिति में तनाव मुक्त रह पाते हैं? क्या हम अनेकान्तवाद के सुन्दर सिद्धांत को जीवन के आचरण का अभिन्न अंग बना पाते हैं ? हठधर्मी पर तो नहीं अड़ जाते हैं? हम स्थूल हिंसा तो नहीं करते हैं पर क्या मानसिक, वाचिक हिंसा पर लगाम कस पाते हैं? क्या हम परिग्रह से अपरिग्रह की ओर कदम बढ़ाने का प्रयास कर पाते हैं? क्या हम इस तरह के छोटे-छोटे व्रत-नियम ग्रहण करने की प्रवृत्ति रखते हैं? आदि - आदि । इस तरह इन सब प्रश्नों के उत्तर में हम गहराई से चिंतन में यदि जायें तो हमको इसके उत्तर में अनुशासन किसी न किसी रूप में अवश्य मिलेगा । अधिकांशतया देखा गया की अशांति के पीछे एक ही बात सामने आती है और वह यह हैं की एक दूसरे के प्रति हमारे मन में सम्मान की कमी हैं । हमारा मन इस कारण कुढ़ता रहता है। अशांति का एक कारण हमारी असीमित इच्छाएं भी है यानी की जितने भी द्वंद,उपद्रव, अशांति और अराजकता आदि है वे सब व्यक्ति के भीतर ही है । उसकी तृष्णा ही उसकी चिंता और जहां चिंता वहां शांति कैसे ? अशांति के झंझावातों में मूल्यवान शब्द शांति है - और यह सब मन का खेल है जिस दिन अपने विवेक द्वारा अपने मन को हमने अनुशासन से साध लिया उस दिन हमको समझ आ जायेगा की शांति में ही सार है । हमको दिन की शुरुआत में लगेगा की जिंदगी में पैसे बहुत जरूरी हैं लेकिन दिन ढलने के बाद समझ आता है कि जिंदगी में शांति वह अनुशासन का होना अधिक जरूरी है ।

› प्रदीप छाजेड़

> आज की सबसे बड़ी चुनौती केवल आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक निर्धनता की है। नई पीढ़ी का एक बड़ा वर्ग आत्मकेंद्रित होता जा रहा है। भौतिक उपलब्धियाँ, कैरियर, उपभोगवाद और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की अवधारणाएँ जीवन के केंद्र में आ गई हैं।

यह कैसा समाज है, जिसमें अदालतें समझाएं रिश्तों का धर्म

किसी भी सभ्यता की वास्तविक पहचान उसकी ऊँची इमारतों, चमकती सड़कों, आर्थिक प्रगति या तकनीकी उपलब्धियों से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि वह अपने बुजुर्गों, माता-पिता और निर्बल वर्ग के प्रति कितना संवेदनशील है। लेकिन आज का सबसे पीड़ादायक प्रश्न यही है कि जिस भारत ने "मातृ देवो भवः, पितृ देवो भवः" का उद्घोष किया, जिस धरती से "वसुधैव कुटुम्बकम्" का विचार पूरी दुनिया में पहुँचा, उसी भूमि पर आज माता-पिता को अपने ही घर में सम्मान और आश्रय पाने के लिए अदालतों का दरवाजा खटखटाना पड़ रहा है। हाल के वर्षों में देश की अदालतों में ऐसे मामलों की संख्या बढ़ी है, जहाँ वृद्ध माता-पिता को अपने ही बच्चों से संरक्षण, भरण-पोषण, रहने की व्यवस्था और संपत्ति पर अधिकार के लिए न्यायिक हस्तक्षेप लेना पड़ा। कहीं बेटे को अदालत यह निर्देश दे रही है कि वह अपनी वृद्ध मां को घर में एक कमरा, अलग स्नानघर और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराए, तो कहीं दुर्व्यवहार करने वाली संतान को माता-पिता की संपत्ति से बेदखल करने के आदेश दिए जा रहे हैं। यह केवल कानूनी घटनाएँ नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक और नैतिक पतन की वे चेतावनियाँ हैं जो भविष्य के भारत की तस्वीर पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा रही हैं।

वास्तव में यह अत्यंत विडंबनापूर्ण है कि जिस मां ने नौ महीने गर्भ में रखकर संतान को जीवन दिया, जिसने अपना रक्त, ममता और त्याग देकर उसे पाला, उसी मां को अपने ही घर में रहने के लिए न्यायालय की शरण लेनी पड़े। जिस पिता ने अपने पसीने और परिश्रम से घर बनाया, बच्चों का भविष्य संवारा, वृद्धावस्था में उसी घर में उसके अधिकार के लिए अदालत को हस्तक्षेप करना पड़े, यह स्थिति केवल व्यक्तिगत कृतघ्नता नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनाओं के क्षरण का प्रमाण है। यह प्रश्न इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आज भारत विकसित भारत 2047 की दिशा में आगे बढ़ रहा है। आर्थिक विकास, डिजिटल क्रांति, स्मार्ट शहर, वैश्विक नेतृत्व और आत्मनिर्भरता की बातें हो रही हैं। लेकिन यदि घर के किसी कोने में बैठे वृद्ध माता-पिता अकेलेपन, उपेक्षा और अपमान का जीवन जी रहे हों, तो क्या यह विकास पूर्ण माना जा सकता है? यदि हमारे बुजुर्ग अपनी छोटी-छोटी आवश्यकताओं के लिए भी दूसरों पर निर्भर और उपेक्षित हो जाएँ, तो हमारी सारी उपलब्धियाँ खोखली प्रतीत होती हैं। संयुक्त परिवार टूट रहे हैं, रिश्तों की ऊष्मा कम हो रही है और संवाद का स्थान डिजिटल माध्यम ले रहे हैं। परिणामतः बुजुर्गों का जीवन अकेलेपन, अवसाद और असुरक्षा का पर्याय बनता जा रहा है। यह सच है कि महानगरीय जीवन की अपनी कठिनाइयाँ हैं। रोजगार, समयाभाव, आर्थिक दबाव और बदलती जीवनशैली ने नई पीढ़ी की चुनौतियाँ बढ़ाई हैं। लेकिन इन कठिनाइयों के बावजूद माता-पिता के प्रति दायित्व समाप्त नहीं हो सकते। भारतीय संस्कृति में माता-पिता की सेवा केवल सामाजिक परंपरा नहीं, बल्कि जीवन-मूल्य रही है। श्रवण कुमार का आदर्श केवल कथा नहीं, बल्कि भारतीय चेतना का हिस्सा है।

दुर्भाग्य यह है कि आज संपत्ति और स्वार्थ ने अनेक संबंधों को प्रभावित किया है। अखबारों में आए दिन ऐसे समाचार दिखाई देते हैं जिनमें संपत्ति के लिए माता-पिता को प्रताड़ित किया जाता है, घर से निकाला जाता है, मानसिक यातना दी जाती है या उनकी उपेक्षा की जाती है। अनेक वृद्धाश्रम ऐसे माता-पिता से भरे पड़े हैं जिनकी सबसे बड़ी "गलती" केवल यह थी कि उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी बच्चों के लिए समर्पित कर दी। यदि यह प्रवृत्ति यूँ ही बढ़ती रही तो भारत भी उस दिशा में बढ़ सकता है जहाँ पश्चिमी देशों की तरह माता-पिता और संतान के संबंध केवल कानूनी और औपचारिक होकर रह जाएँ। पश्चिमी समाज में अनेक माता-पिता प्रारंभ से ही बच्चों को आत्मनिर्भर बना देते हैं क्योंकि वे भविष्य में उनसे देखभाल की अपेक्षा नहीं रखते। लेकिन भारतीय समाज का आधार इससे भिन्न रहा है। यहाँ परिवार केवल जैविक इकाई नहीं, बल्कि भावनात्मक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संस्था रहा है।

यह भी स्मरणीय है कि देश में वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 जैसे कानून बनाए गए हैं ताकि वृद्ध माता-पिता के अधिकारों की रक्षा हो सके। न्यायालयों ने अनेक अवसरों पर माता-पिता के संपत्ति अधिकारों को सुरक्षित रखा है और दुर्व्यवहार करने वाली संतानों के विरुद्ध कठोर टिप्पणियाँ भी की हैं। लेकिन कानून केवल सुरक्षा दे सकता है, संवेदना नहीं। अदालतें कमरे दिला सकती हैं, सम्मान नहीं, भरण-पोषण का आदेश दे सकती हैं, लेकिन ममता और अपनत्व नहीं लौटा सकतीं। यही कारण है कि समाधान केवल कानूनी नहीं, सामाजिक और सांस्कृतिक होना चाहिए। परिवारों में संस्कारों की पुनर्स्थापना आवश्यक है। बच्चों को केवल उच्च शिक्षा और आधुनिक सुविधाएँ देना पर्याप्त नहीं, बल्कि उन्हें मानवीय मूल्य भी देना होंगे। विद्यालयों, धार्मिक संस्थाओं और सामाजिक संगठनों को परिवार, सेवा, कृतज्ञता और बुजुर्ग सम्मान जैसे विषयों पर गंभीर पहल करनी चाहिए। आज आवश्यकता है कि विकसित भारत 2047 की अवधारणा में "वृद्ध सम्मान" को भी एक महत्वपूर्ण सूचक बनाया जाए। जिस देश में बुजुर्ग सुरक्षित, सम्मानित और संतुष्ट होंगे, वही वास्तव में विकसित कहा जा सकेगा। हमें ऐसी नीतियाँ बनानी होंगी जिनमें वृद्धजन कल्याण, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और भावनात्मक सहयोग को प्राथमिकता मिले। साथ ही परिवारों को यह समझना होगा कि माता-पिता केवल जिम्मेदारी नहीं, हमारी जड़ें हैं। जिस वृक्ष की जड़ें सूख जाएँ, उसकी शाखाएँ अधिक समय तक हरी नहीं रह सकतीं। माता-पिता की उपेक्षा केवल एक व्यक्ति की नहीं, पूरी पीढ़ी की नैतिक पराजय है। यह भी विचारणीय है कि जो संतान आज अपने माता-पिता के साथ व्यवहार कर रही है, वही व्यवहार भविष्य में उसके हिस्से भी आ सकता है।

ललित गर्ग

हिमालय क्षेत्र में ...

डॉ. शैलेश शुक्ला

'तपती धरती, तड़पता जीवन और तंत्र की तंद्रा : बिगड़ता पर्यावरण संतुलन और अस्तित्व का संकट'

यह केवल कैलेंडर की एक तारीख नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के सामने खड़े सबसे बड़े संकट का जीवंत दस्तावेज बनती जा रही है। भारत सहित दुनिया के अनेक हिस्से भीषण गर्मी, जल संकट, अनियमित वर्षा, बाढ़, सूखा, जंगलों में आग, प्रदूषण और जलवायु असंतुलन की भयावह परिस्थितियों से गुजर रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में प्रकृति ने जितनी तीव्र चेतावनियां दी हैं, शायद इतिहास में इतनी लगातार और व्यापक चेतावनियां पहले कभी नहीं मिलीं। लेकिन दुखद सत्य यह है कि मनुष्य अब भी अपनी तथाकथित "विकास यात्रा" के नशे में इतना डूबा हुआ है कि उसे अपनी ही जड़ों के कटने की आवाज सुनाई नहीं दे रही। हाल ही में आई रिपोर्टों में बताया गया कि दुनिया के सबसे गर्म शहरों की सूची में बड़ी संख्या भारत के शहरों की रही। उत्तर भारत, मध्य भारत और पश्चिम भारत के अनेक क्षेत्रों में तापमान 48 से 50 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच गया। राजस्थान, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा और विदर्भ जैसे क्षेत्रों में धरती मानो आग उगलती दिखाई दी। सड़कों पर दोपहर के समय सन्नाटा छा गया। मजदूरों का काम करना कठिन हो गया। अस्पतालों में हीट स्ट्रोक के मरीज बढ़ने लगे। पक्षी आसमान से गिरने लगे। जलाशय सिकुड़ने लगे। यह केवल "गर्मी" नहीं थी; यह प्रकृति का वह आक्रोश था जिसे हमने वर्षों तक नजर-अंदाज किया। आज भारत का सामान्य नागरिक यह महसूस करने लगा है कि मौसम अब पहले जैसा नहीं रहा। बचपन की गर्मियां और आज की गर्मियों में जमीन-आसमान का अंतर है। कभी मई-जून की दोपहरें भी इतनी भयावह नहीं लगती थीं। गांवों में पेड़ों की छांव, मिट्टी की नमी, तालाबों की ठंडक और हवाओं की प्राकृतिक ताजगी वातावरण को संतुलित रखती थी। लेकिन आज शहरों से लेकर गांवों तक कंक्रीट का साम्राज्य फैल चुका है। पेड़ों की जगह टावर खड़े हो गए हैं। खेतों की जगह कॉलोनियां बन गई हैं। तालाबों को पाटकर मॉल और इमारतें खड़ी कर दी गईं। परिणामस्वरूप धरती की स्वाभाविक शीतलता समाप्त होती चली गई।

विडंबना यह है कि जिस आधुनिकता को हमने प्रगति माना, उसी ने जीवन के आधारों को कमजोर कर दिया। हमने वातानुकूलित कमरों को विकास का प्रतीक बना दिया, लेकिन यह नहीं सोचा कि करोड़ों एसी मशीनें वातावरण को और अधिक गर्म कर रही हैं। हमने निजी वाहनों की संख्या को प्रतिष्ठा से जोड़ दिया, लेकिन यह नहीं समझा कि बढ़ता ईंधन दहन हवा को जहरीला बना रहा है। हमने उद्योगों को आर्थिक समृद्धि का आधार माना, लेकिन उन उद्योगों से निकलने वाले प्रदूषण ने नदियों, मिट्टी और वातावरण को विषाक्त बना दिया।

आज भारत के बड़े शहर "हीट आइलैंड" में बदलते जा रहे हैं। दिल्ली, लखनऊ, कानपुर, जयपुर, भोपाल, नागपुर, अहमदाबाद और हैदराबाद जैसे शहरों में सीमेंट, डामर और कंक्रीट दिनभर सूर्य की गर्मी सोखते हैं और रात में भी वातावरण को ठंडा नहीं होने देते। यही कारण है कि अब रातें भी पहले जैसी राहत नहीं देतीं। तापमान लगातार ऊंचा बना रहता है।

लेकिन यह संकट केवल शहरों तक सीमित नहीं है। गांवों में भी जल संकट गहरा रहा है। भूमिगत जल स्तर तेजी से नीचे जा रहा है। कुएं सूख रहे हैं। छोटे तालाब समाप्त हो रहे हैं। कई क्षेत्रों में किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा। खेती का पूरा चक्र प्रभावित हो रहा है। कभी असमय वर्षा फसलों को बर्बाद कर देती है, तो कभी लंबे सूखे से उत्पादन घट जाता है।

हिमालय क्षेत्र में ग्लेशियरों के पिघलने की गति बढ़ रही है। वैज्ञानिक लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि यदि यही स्थिति रही, तो भविष्य में नदियों के जलस्तर और जलचक्र पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में पिछले वर्षों में आई विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलनों ने यह स्पष्ट कर दिया कि अंधाधुंध निर्माण और पर्यावरणीय नियमों की अनदेखी कितनी घातक हो सकती है। केरल, असम और पूर्वोत्तर के अनेक क्षेत्रों में बाढ़ की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। दूसरी ओर राजस्थान और बुंदेलखंड जैसे क्षेत्र बार-बार सूखे की मार झेलते हैं। यह असंतुलन केवल प्राकृतिक नहीं है; इसके पीछे मानवजनित कारण भी उतने ही जिम्मेदार हैं।

जौनपुर की मीरा ने नीली क्रांति में की हिस्सेदारी: मत्स्य पालन से बदली तस्वीर

उत्तर प्रदेश में कृषि और उससे जुड़े क्षेत्रों में नवाचार के जरिए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के प्रयास तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। इस बदलाव में मत्स्य पालन एक ऐसे मुनाफे वाले क्षेत्र के रूप में उभरा है जिसने न केवल पारंपरिक किसानों की आय में वृद्धि की है बल्कि महिलाओं और युवाओं को भी स्वावलंबन का एक नया रास्ता दिखाया है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी और विकासपरक योजनाओं के चलते राज्य में मछली पालन अब सिर्फ एक पारंपरिक व्यवसाय नहीं रह गया है बल्कि यह एक आधुनिक और अत्यधिक लाभकारी उद्योग का रूप ले चुका है।

ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा करने और मछुआरों व मत्स्य पालकों को आर्थिक सुरक्षा देने के लिए प्रदेश सरकार के मत्स्य पालन विभाग द्वारा कई प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। इन योजनाओं का मुख्य उद्देश्य मछली पालन से जुड़े लोगों को आधुनिक तकनीक उपलब्ध कराना, बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और वित्तीय सहायता के माध्यम से उनके जोखिम को कम करना है। सरकार द्वारा संचालित इन पहलों में लाभार्थियों को चालीस से लेकर साठ प्रतिशत तक का भारी अनुदान दिया जा रहा है जिससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोग भी इस व्यवसाय से जुड़कर अपनी तकदीर बदल रहे हैं। इस दिशा में केंद्र सरकार के सहयोग से संचालित प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना राज्य में मील का पत्थर साबित हो रही है। इस योजना के अंतर्गत नए तालाबों के निर्माण से लेकर आधुनिक तकनीकों जैसे री-सर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम और बायोफ्लो तकनीक को बढ़ावा दिया जा रहा है। इन उन्नत तकनीकों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इनमें कम जमीन और कम पानी में भी अधिक मात्रा में गुणवत्तापूर्ण मछली का उत्पादन किया जा सकता है। इस योजना के तहत सरकार द्वारा सामान्य वर्ग के आवेदकों को चालीस प्रतिशत और महिला तथा अनुसूचित जाति व जनजाति वर्ग के लाभार्थियों को साठ प्रतिशत तक की बड़ी सब्सिडी दी जा रही है।

तकनीक और आर्थिक मदद के इस बेहतरीन समन्वय का एक जीवंत उदाहरण जौनपुर की महिला उद्यमी श्रीमती मीरा सिंह की सफलता की कहानी में देखा जा सकता है। श्रीमती मीरा सिंह ने जब कार्य प्रारम्भ किया तब उनके पास मात्र एक एकड़ का एक तालाब था। उन्हें मत्स्य पालन की तकनीकी जानकारियां भी नहीं थीं। ऐसे में कई चुनौतियों उनके सामने आईं। इसी बीच उन्हें सरकारी योजनाओं की जानकारी हुई और उन्होंने जौनपुर में विकास भवन स्थित मत्स्य कार्यालय में सम्पर्क किया। मत्स्य विभाग ने उनके तालाब का स्थलीय निरीक्षण किया और मत्स्य पालन की वैज्ञानिक जानकारियां दीं। उन्होंने विभागीय मार्गदर्शन और सरकारी योजनाओं का सही समय पर लाभ उठाकर मत्स्य पालन के क्षेत्र में कदम रखा। शुरुआत में छोटी चुनौतियों का सामना करने के बाद जब उन्हें अपने उत्पाद का सही बाजार मूल्य मिलने लगा तो उनका हौसला बढ़ता गया। श्रीमती मीरा सिंह का चयन वर्ष 2021-22 में प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजनान्तर्गत बीज हैचरी में हुआ तथा इन्हे मत्स्य विभाग से 15 लाख का अनुदान प्रदान किया गया। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और धीरे-धीरे अपने उत्पादन के दायरे को विस्तार देना शुरू किया। उनकी कड़ी मेहनत और आधुनिक तौर-तरीकों को अपनाने का नतीजा यह हुआ कि वर्ष 2024-25 के दौरान उनका मत्स्य उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया।

जरा हटके

वित्तीय वर्ष 2025...

डॉ. मनोज चंद्रा, प्रभारी अंग्रेजी

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि: अन्नदाता की उन्नति, राष्ट्र की समृद्धि

देश के मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा किसानों के हित में संचालित प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना आज के दौर में भारतीय कृषि नीति का सबसे महत्वपूर्ण और परिवर्तनकारी योजना साबित हुई है। भारत सरकार द्वारा शत-प्रतिशत वित्त पोषित यह योजना विशेष रूप से उन छोटे और सीमांत किसानों को ध्यान में रखकर संचालित की गई है, जो अक्सर निवेश की कमी के कारण खेती में पिछड़ जाते थे। इस योजना की संरचना बेहद सरल और प्रभावी है, जिसके तहत प्रत्येक पात्र कृषक परिवार को प्रतिवर्ष 6,000 रुपये की प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता दी जाती है। यह राशि 2,000 रुपये की तीन समान किस्तों में सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में भेजी जाती है। योजना की सबसे बड़ी विशेषता इसका ''प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण'' (डीबीटी) तंत्र है, जिसने बिचौलियों की भूमिका को पूरी तरह समाप्त कर दिया है। उत्तर प्रदेश जैसे विशाल कृषि प्रधान राज्य में, जहाँ जोत का आकार छोटा है, यह योजना किसानों के लिए समय पर खाद, बीज और अन्य कृषि आवश्यकताओं को पूरा करने का एक विश्वसनीय जरिया बन गई है। इस योजना के तकनीकी और प्रशासनिक ढांचे में - कृषक परिवार की परिभाषा को बहुत स्पष्ट रखा गया है। उत्तर प्रदेश ने इस योजना के क्रियान्वयन में राष्ट्रीय स्तर पर कीर्तिमान स्थापित किए हैं। इस योजना के प्रारंभ से लेकर 22वीं किस्त के वितरण तक, उत्तर प्रदेश में अब तक कुल 3.12 करोड़ कृषक परिवारों को इस योजना से जोड़ा जा चुका है। इन परिवारों के बैंक खातों में अब तक कुल 99,032.58 करोड़ रुपये की बड़ी धनराशि हस्तांतरित की जा चुकी है। केवल 22वीं किस्त में ही प्रदेश के 2.18 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को 4,364.00 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। यह निवेश न केवल ग्रामीण क्रय शक्ति को बढ़ाता है, बल्कि खेती-किसानी के प्रति किसानों के मनोबल को भी ऊँचा करता है, जिससे वे भविष्य की फसलों के लिए बेहतर योजना बनाकर खेती करते हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 के नवीनतम आंकड़े उत्तर प्रदेश में इस योजना की व्यापकता और सफलता की एक नई कहानी बयां करती हैं। इस वित्तीय वर्ष के दौरान, प्रदेश के 2.34 करोड़ से अधिक पात्र किसानों के खातों में 13,721 करोड़ रुपये से अधिक की राशि भेजी गई है। यह आंकड़ा केवल एक संख्या नहीं है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में आए उस बदलाव का प्रतीक है जो खेती को घाटे से उबारकर लाभ की ओर ले जा रहा है। लाभार्थियों के विश्लेषण से पता चलता है कि इसमें 1.91 करोड़ से अधिक पुरुष और 88 लाख से अधिक महिला कृषक परिवार शामिल हैं। महिलाओं की इतनी बड़ी भागीदारी इस योजना में महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में देखें तो देश के कुल 9.7 करोड़ लाभार्थियों में से लगभग 24 प्रतिशत (2.34 करोड़ से अधिक) लाभार्थी अकेले उत्तर प्रदेश के हैं, जो डबल इंजन सरकार द्वारा योजनाओं के बेहतर कार्यान्वयन को प्रमाणित करता है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की विकास यात्रा का वर्षवार आंकड़ा निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर रहा है। वर्ष 2018-2019 में 2,238.92 करोड़ रुपये के वितरण से शुरू हुआ यह सफर 2019-2020 में 11,006.87 करोड़ रुपये तक पहुँच गया। इसके बाद, वर्ष 2020-2021 में 14,432.14 करोड़, 2021-2022 में 15,775.52 करोड़ और 2022-2023 में 12,454.32 करोड़ रुपये की राशि किसानों तक पहुँची। आगामी वर्षों में भी यह गति बनी रही, जहाँ 2023-2024 में 13,808.48 करोड़ और 2024-2025 में 15,594.74 करोड़ रुपये का वितरण किया गया। वर्तमान वर्ष 2025-2026 में अब तक 13,721.59 करोड़ रुपये वितरित किए जा चुके हैं। इन आठ वर्षों के दौरान कुल वितरित राशि 99,032.58 करोड़ रुपये के विशाल आंकड़े तक पहुंच चुकी है। यह निरंतरता दर्शाती है कि सरकार किसानों की आय में वृद्धि और उन्हें कर्ज के जाल से मुक्त करने के लिए कितनी गंभीर है, जिससे ग्रामीण ऋणग्रस्तता में भारी कमी आई है।

पीएम-किसान योजना ने कृषि निवेश के प्रति किसानों के नजरिए को भी बदला है। बुआई के मौसम से ठीक पहले मिलने वाली यह राशि किसानों को साहूकारों की ऊँची ब्याज दरों वाले ऋण से बचाती है। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में यह देखा गया है कि छोटे किसान इस राशि का उपयोग केवल बीज और खाद के लिए ही नहीं, बल्कि आधुनिक कृषि यंत्रों के किराए और सूक्ष्म सिंचाई जैसे सुधारों के लिए भी कर रहे हैं। इससे फसल की पैदावार में सुधार हुआ है और किसानों की जोखिम सहने की क्षमता बढ़ी है। राज्य सरकार द्वारा भू-लेखों के सत्यापन और ई-केवाईसी की प्रक्रिया को अनिवार्य बनाने से योजना की पारदर्शिता और भी सुदृढ़ हुई है, जिससे यह सुनिश्चित हुआ है कि सरकारी खजाने का पैसा केवल वास्तविक खेती करने वाले हाथों में ही जाए। यह डिजिटल इंडिया और कृषि के सफल संगम का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जिसने व्यवस्था में विश्वास पैदा किया है।

सामाजिक सुरक्षा के दृष्टिकोण से यह योजना ग्रामीण पलायन को रोकने में भी एक मूक क्रांति की तरह काम कर रही है।

ग्रामीण प्रतिभाओं को तराशने के साथ-साथ युवाओं और महिलाओं के लिए स्वरोजगार के खुलेंगे नए द्वार

योगी सरकार की 'मातृभूमि योजना' बनी मिसाल

उद्घाटन

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी की दूरदर्शी प्रेरणा और माननीय पंचायती राज मंत्री श्री ओमप्रकाश राजभर जी के कुशल मार्गदर्शन में पंचायती राज विभाग उत्तर प्रदेश पंचायत विकास और जन-भागीदारी का एक नया अध्याय लिख रहा है। सरकार की महत्वाकांक्षी 'उत्तर प्रदेश मातृभूमि योजना' अब केवल बुनियादी ढांचे के विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण भारत की छिपी हुई प्रतिभाओं को वैश्विक मंच देने और पूरे प्रदेश को गौरवान्वित करने का एक सशक्त माध्यम बन चुकी है।

उत्तर प्रदेश के गांवों में आकार ले रहे हैं आत्मनिर्भरता के सपने

मुख्यमंत्री के विजन को धरातल पर उतार रहा पंचायती राज विभाग

यह कला केंद्र मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के उस संकल्प का जीवंत उदाहरण है, जिसमें वे उत्तर प्रदेश के हर गांव को आत्मनिर्भर और साधन-संपन्न बनाने की बात करते हैं। पंचायती राज विभाग के नेतृत्व में यह केंद्र ग्रामीण युवाओं, महिलाओं और बच्चों के सपनों को उड़ान देगा। यहाँ चित्रकला, हस्तशिल्प, सिलाई एवं वस्त्र डिजाइनिंग, संगीत और नृत्य जैसी विधाओं का उच्च स्तरीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। आर्थिक तंगी किसी के आड़े न आए, इसके लिए बच्चों को निःशुल्क कला सामग्री के साथ-साथ प्रोत्साहन भत्ता भी दिया जाएगा।

> इस ऐतिहासिक पहल के केंद्र में हैं प्रदेश की बेटी और दिव्यांग फुट पेंटर श्रीमती शीला शर्मा। दोनों हाथ न होने के बावजूद अपने पैरों की उंगलियों से कैनवास पर अद्भुत रंग बिखेरने वाली शीला शर्मा की कहानी आज पूरे उत्तर प्रदेश के लिए एक मिसाल बन चुकी है।

में नवनिर्मित अत्याधुनिक कला प्रशिक्षण केंद्र का भव्य उद्घाटन किया गया। इस केंद्र का लोकार्पण माननीय पंचायती राज मंत्री श्री ओमप्रकाश राजभर जी, यूपी ट्रांसफॉर्मेशन कमिशन के सीईओ श्री मनोज कुमार सिंह एवं मोहान के माननीय विधायक श्री बृजेश कुमार रावत जी द्वारा विभागीय अधिकारियों और स्थानीय ग्रामीणों की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। मुख्यमंत्री जी की जन-भागीदारी की नीति से प्रेरित होकर, इस केंद्र के निर्माण में 60 प्रतिशत की सहयोग राशि स्वयं श्रीमती शीला शर्मा द्वारा दी गई है, जबकि शेष 40 प्रतिशत का योगदान पंचायती राज विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा किया गया है। शीला शर्मा अब इस केंद्र के माध्यम से गांव के सैकड़ों बच्चों के भविष्य को संवारने का जिम्मा उठा रही हैं। शीला शर्मा ने कहा: ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों में असाधारण प्रतिभा होती है, बस उन्हें सही मंच की जरूरत होती है। पूज्य मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी और पंचायती राज विभाग ने मातृभूमि योजना के जरिए मेरे उस सपने को सच कर दिया, जिसे मैं वर्षों से देख रही थी। अब गांव का कोई बच्चा अवसरों से वंचित नहीं रहेगा।

पावर हाउस पर लोगों को हंगामा
बिजली कटने पर आधी रात पहुंचे

संविदाकर्मियों को पीटा, धू-धूकर जला ट्रांसफॉर्मर

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में भीषण गर्मी के बीच बिजली संकट बढ़ता जा रहा है। लगातार पांचवें दिन भी लोगों को हंगामा और विरोध जारी रहा। रविवार रात लोगों की भीड़ अप्ट्रॉन पावर हाउस पहुंचकर जमकर हंगामा किया। जानकीपुरम जीपीआरए उपकेंद्र के मिश्रपुर में रविवार दोपहर 1:30 बजे बिजली फॉल्ट ठीक करने के दौरान दबंगों ने 2 संविदाकर्मियों को लाठी-डंडों से पीटा। गाजीपुर में ट्रांसफॉर्मर धू-धूकर जल गया।

शनिवार को फैजुल्लागंज स्थित श्याम विहार कॉलोनी के लोग बिजली संकट से परेशान होकर सड़क पर उतर आए और प्रदर्शन किया। वहीं, बख्शी का तालाब में पावर हाउसों के बाहर पुलिस तैनात कर दी गई। पारा-बुद्धेश्वर-दुबग्गा इलाके के सोना बिहार, मुनेश्वर पुरम, प्रभात पुरम, बादशाह खेड़ा, बुद्धेश्वर, बादल खेड़ा और जनता

विहार कॉलोनी में करीब 36 घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही।

20 मई की रात साउथ सिटी से बिजली आपूर्ति व्यवस्था चरमराई जो पारा, सआदतगंज की तरफ बढ़ गई। इन इलाकों में लगातार तीसरे दिन भी बिजली नहीं आई। सरोजनी नगर, राजाजीपुरम से लेकर चिनहट तक कई पावर हाउस से ट्रिपिंग और लंबी कटौती जारी है। लगातार तीसरे दिन बिजली न आने पर पारा इलाके के लोगों ने 22 मई को कई घंटे तक बुद्धेश्वर चौराहे पर जमकर बवाल किया। बताया जा रहा है कि इस दौरान विभाग के जेई की गाड़ी के टायर पंक्चर कर दिए गए।

लखनऊ हाईकोर्ट ने वकीलों को लगाई फटकार

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने लखनऊ में सिविल कोर्ट परिसर के आसपास अवैध कब्जे हटाने संबंधी याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने वकीलों को कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने इस मामले में अपना आदेश सुरक्षित रख लिया है, जिसका विस्तृत आदेश बाद में जारी किया जाएगा। सुनवाई के दौरान, हाईकोर्ट ने कहा कि उसने वकीलों द्वारा लाठियां बंटवाते हुए वीडियो देखे हैं। न्यायालय ने सिविल कोर्ट में एक सप्ताह से चल रही हड़ताल का भी संज्ञान लिया। खंडपीठ ने टिप्पणी की कि सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में आपराधिक अवमानना की कार्रवाई पर विचार किया जाएगा। कोर्ट ने पूछा, 'क्या लाठियां बंटवाकर प्रशासन को सही काम करने से रोका जा सकता है?'

यूपीपीएससी की शिकायत पर सख्त कार्रवाई

तीन पुलिस अधिकारियों की निगरानी में होगी जांच

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीपीएससी) ने लेखपाल मुख्य परीक्षा को लेकर अफवाह फैलानों वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है। आयोग से मिली शिकायत के आधार पर लखनऊ के विभूतिखंड थाने में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। इस मामले की जांच पुलिस उपायुक्त पूर्वी, अपर पुलिस उपायुक्त पूर्वी और सहायक पुलिस आयुक्त विभूतिखंड की निगरानी में की जाएगी। आयोग ने शिकायत में स्पष्ट किया है कि लेखपाल पद पर चयन के लिए 44 जनपदों के 861 परीक्षा केंद्रों पर पूरी निष्पक्षता, पारदर्शिता और शुचितापूर्ण तरीके से संपन्न कराई गई थी। हालांकि

> लेखपाल मुख्य परीक्षा को लेकर अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ लखनऊ के विभूतिखंड थाने में मुकदमा दर्ज

अराजक तत्वों ने मुख्य परीक्षा में शामिल अभ्यर्थियों को गुमराह करने के लिए सोशल मीडिया पर असत्य एवं भ्रामक पोस्ट शेयर किए। इसके जरिए सरकार की छवि धूमिल करने और सरकारी कार्य में बाधा डालने का प्रयास किया गया। इससे पहले आयोग ने अभ्यर्थियों से अपील की थी कि वह किसी भी प्रकार की अफवाह या अपुष्ट सूचनाओं पर ध्यान न दें।

कार की टक्कर से बाइक सवार अधेड़ की मौत

सरोजनी नगर, लखनऊ। लखनऊ के बिजनौर थाना क्षेत्र में रविवार देर शाम एक तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार 56 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच कर रही है। मृतक की पहचान मानक नगर थाना क्षेत्र के श्याम नगर निवासी विजय कुमार के रूप में हुई है। विजय कुमार रविवार शाम करीब 7 बजे बिजनौर के परवर पश्चिम स्थित गढ़ी गांव में अपना प्लाट देखकर बाइक से घर लौट रहे थे। बंगला बाजार - बिजनौर रोड पर गुड़ौरा के सामने मनीष गेट के पास एक तेज रफ्तार ब्रेजा कार ने उनकी बाइक में सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि विजय कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने वहां पहुंचने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया।

साढ़े पांच घंटे बाद शव मिला, लखनऊ में यूपीएससी का पेपर खराब हो गया था

वॉइस प्रिंसिपल का बेटा गोमती नदी में कूदा

> प्रखर जहां पर नदी में कूदा, उसी के सामने हुसैनाबाद इंटर कॉलेज है। कॉलेज के पास में ही पोस्टमॉर्टम हाउस है। प्रखर की स्कूटी की डिक्की में उसके कपड़े रखे हुए हैं। इस पर उसका हेल्मेट भी लगा हुआ है।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में इंटर कॉलेज की वॉइस प्रिंसिपल का बेटा गोमती नदी में कूद गया। करीब साढ़े पांच घंटे बाद उसका शव मिला। घटना आज, सोमवार सुबह की है। मृतक की पहचान प्रखर आनंद पाल (26) निवासी आलमबाग के रूप में हुई। उसकी मां सुष्मलता राजकीय हुसैनाबाद इंटर कॉलेज में वॉइस प्रिंसिपल के पद पर तैनात हैं। बेटे के नदी में कूदने की जानकारी मिली तो वह घटनास्थल पहुंचीं। मां का घाट पर रो-रोकर बुरा हो गया।

ट्रॉमा सेंटर मोर्चरी में खड़ी मिली स्कूटी

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह ट्रॉमा सेंटर मोर्चरी के पास एक स्कूटी खड़ी मिली। कुछ देर बाद लोगों ने वहां करीब 200 मीटर दूर प्रखर को गोमती नदी में छलांग लगाते देखा, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। चौक थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और गोताखोरों की टीम को बुलाकर सर्च ऑपरेशन शुरू कराया। पुलिस का कहना है कि करीब साढ़े पांच घंटे सर्च अभियान चलाया गया।

लेक व्यू अपार्टमेंट्स

प्रीमियम लिविंग, स्मार्ट प्राइस

RERA Number: UPRERAPRJ963704/04/2026
Promoter ID: UPRERAPRM10102
Website: www.up-rera.in
Launch Date: 21 Apr 2026

प्राइम लोकेशन हाईलाइट्स:
- मैक्स हॉस्पिटल
- वन अवध सेंटर मॉल
- इकाना स्टेडियम
- सी.जी. सिटी अर्बन वेटलैंड

बेहतर सुविधाएं:
- झील के आसपास मनोरंजन क्षेत्र
- क्लब हाउस
- 24×7 बिजली एवं पानी
- पर्याप्त पार्किंग

आसान कनेक्टिविटी:
- अयोध्या हाईवे-5 KM
- शहीद पथ- 5 KM
- किसान पथ- 5 KM
- गोमती नगर रेलवे स्टेशन- 4 KM
- अवध बस स्टेशन- 4 KM
- इंदिरा नगर मेट्रो स्टेशन- 7 KM

₹1.13 करोड़* से शुरू

3BHK+सर्वेंट अपार्टमेंट्स

पंजीकरण अवधि:
19 मई, 2026
से
18 जून, 2026

पंजीकरण लिंक:
registration.ldalucknow.in

नियम व शर्तें लागू*

विराज खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ

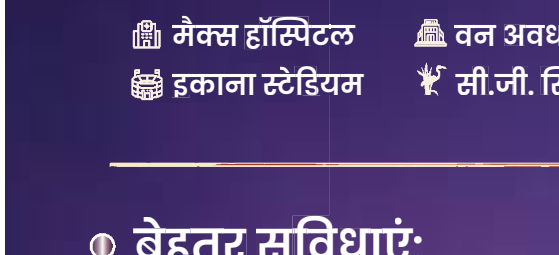

प्रतीकात्मक चित्र

बैंक का नाम: ICICI बैंक लिमिटेड खाता संख्या: 628101112135 IFSC कोड: ICIC0006281 बैंक का पता: 28/10, अशोक मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ कृपया खाते में सीधे कोई भी भुगतान न करें। सभी भुगतान केवल LDA ग्राहक पोर्टल के माध्यम से ही करें।

लखनऊ विकास प्राधिकरण
(ISO 14001:2004, ISO 9001-2008 प्रमाणित संस्था)
प्राधिकरण भवन, विपिन खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (उ.प्र.)

@LkoDevAuthority
@LkoDevAuthority
@lda_online

टोल फ्री नंबर: 1800-1800-5000
(सोमवार से शनिवार | सुबह 10 से शाम 5 बजे तक)
वेबसाइट: ldalucknow.in

Scan to register

आगरा में सेफ्टी बेल्ट का हुक टूटा ■ पिता बोले- घुमाने लाया था, लाश कैसे ले जाऊं

जिप लाइन झूले से 45 फीट नीचे गिरा बच्चा

दुर्घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में चूड़ी कारोबारी के 16 साल के बेटे की जिप लाइन झूले से गिरकर मौत हो गई। वह मां-बाप और भाई के सामने ही 45 फीट ऊंचे झूले से सिर के बल नीचे गिरा। लड़का जैसे ही जिप लाइन में एक छोर से दूसरे छोर की तरफ बढ़ा, उसकी सेफ्टी बेल्ट का हुक टूट गया। रेलिंग से टकराता हुआ नीचे गिरा। मौके पर ही तड़प-तड़पकर उसकी मौत हो गई।

बेटा जब जिप लाइन झूले पर था, तो नीचे मां और भाई वीडियो बना

रहे थे। पूरा हादसा उनके फोन में रिकॉर्ड हो गया। घटना शहर के ताजगंज में रविवार शाम 6.20 बजे हुई। कुनाल का परिवार फिरोजाबाद से आगरा घूमने आया था। माता-पिता बेटे की लाश से लिपटकर रोते-रोते बेसुध हो गए। पिता ने रोते हुए कहा-जिप लाइन संचालक की लापरवाही की वजह से मेरा बेटा चला गया। मैं तो उसे घुमाने लाया था, अब उसकी लाश कैसे घर लेकर जाऊं?

एडीसीपी हिमांशु गौरव ने बताया कि एडवेंचर गतिविधियों में सुरक्षा मानकों का पालन बेहद जरूरी है। शुरुआती जांच में सुरक्षा उपकरणों और व्यवस्थाओं को लेकर गंभीर सवाल सामने आ रहे हैं। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि हादसा तकनीकी खराबी से हुआ या लापरवाही की वजह से।

लाश के बगल में बैठकर रोते रहे माता-पिता

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कर्मचारियों ने बच्चे को जिप लाइन पर चढ़ाया और बेल्ट पहनाई। उसे दूसरे छोर की तरफ छोड़ा गया। इसी दौरान हादसा हो गया। बच्चा पहले लोहे की जाली से टकराया, फिर सीधे जमीन पर आ गिरा। माता-पिता ने दौड़कर बेटे को उठाया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। इसके बाद वे बेटे की लाश के बगल में बैठकर रोते रहे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिवार को समझाकर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा।

हादसे के बाद पुलिस ने जिप लाइन का संचालन बंद करा दिया। एसीपी ताज सुरक्षा मयंक तिवारी ने बताया- संतोष दुबे ईओडी (एवरी अदर डे) एडवेंचर कंपनी का मैनेजर है। अभिषेक सेफ्टी इंचार्ज है। दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है। जांच में

बेटे की जिद पर पिता ने जिपिंग के लिए हां की थी

फिरोजाबाद के चूड़ी कारोबारी पंकज अग्रवाल ने बताया- मेरे 2 बेटे हैं। बड़ा बेटा कुनाल 11वीं में पढ़ता था। छोटा मयंक है। संडे होने की वजह से फैमिली के साथ आगरा आए थे। सुबह पहले खाटू श्याम मंदिर गए। वहां से गोल्ड सिनेमा में फिल्म देखी। इसके बाद शाम 5 बजे ताजगंज की चौपाटी पर पहुंचे। कुनाल को एडवेंचर का शौक था। जिप लाइन को देखकर वह जिद करने लगा। कहने लगा कि उसे भी जिपिंग करनी है। मैंने हामी भर दी। हमने 400 रुपए का टिकट खरीदा। जब बेटा जिप लाइन पर जाने लगा, तो छोटे भाई मयंक से बोला- तुम मेरा वीडियो बनाते रहना। मयंक ही कुनाल का वीडियो बना रहा था।

सामने आया कि प्रॉपर मेंटिनेंस न होने के चलते हुक टूटा था। इसी के चलते हादसा हुआ।

यूपी डिप्टी सीएम के चार्टर्ड प्लेन का एक इंजन बंद

स्टार्ट करते ही धुआं निकला मुरादाबाद में उड़ान भरने जा रहा था

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद। यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के सरकारी चार्टर्ड प्लेन का मुरादाबाद में सोमवार शाम 4:10 बजे एक इंजन फेल हो गया। उड़ान भरने के लिए पायलट ने जैसे ही इंजन स्टार्ट किया, उसमें से धुआं निकलने लगा। उस वक्त ब्रजेश पाठक और उनकी टीम विमान के अंदर ही थी।

घटना के तुरंत बाद एयरपोर्ट प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां एक्टिव हो गईं। एहतियात के तौर पर विमान को रोक दिया गया और ब्रजेश पाठक को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

इंजन क्यों बंद हुआ, इसके कारणों का पता लगाया जा रहा है। लखनऊ से एक टीम भेजी गई है। ब्रजेश पाठक जिस विमान में सवार थे, उसका नाम बीचक्राफ्ट किंग एअर बी-200 है। यह सरकार के तीन चार्टर्ड प्लेन में से एक है।

ब्रजेश पाठक ने संवाददाता को बताया, मुरादाबाद से टेकऑफ के समय चार्टर्ड प्लेन का एक इंजन बंद हो गया। उसमें से धुआं निकलने लगा। विमान रनवे पर उड़ने को तैयार था, इसी बीच उसे रोककर मुझे सुरक्षित उतारा गया।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक रविवार को मुरादाबाद पहुंचे थे। दिन में संगठन और सरकारी कामकाज की समीक्षा की। इसके बाद गजरौला चले गए। यहां जुबिलेंट फैक्ट्री के गेस्ट हाउस में रात्रि विश्राम किया। सोमवार को ब्रजेश पाठक ने अमरोहा और संभल जिले का दौरा किया। शाम 4.05 मिनट पर मुरादाबाद पहुंचे थे।

फास्ट न्यूज

लखनऊ में निवेश के नाम पर लाखों की ठगी

मोहनलालगंज । लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी थाने में निवेश के नाम पर लाखों रुपये की ठगी का मामला दर्ज किया गया है। इसमें आपराधिक विश्वासघात और साइबर धोखाधड़ी के आरोप शामिल हैं। अर्जुनगंज निवासी प्रमित मिश्रा की शिकायत पर पुलिस ने आलमबाग निवासी देवेश शुक्ला और धर्मेश शुक्ला के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जनरल स्टोर की दुकान में आग

सरोजनी नगर, लखनऊ। लखनऊ के सरोजनी नगर थाना क्षेत्र में बीती रात एक जनरल स्टोर में आग लग गई। इस घटना में दुकान में रखा करीब 6 लाख रुपए का सामान जलकर राख हो गया। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। अमौसी निवासी सुशील कुमार की अमौसी गांव में उनके घर के अगले हिस्से में परचून, इलेक्ट्रिक सामान और स्टेशनरी की दुकान है। जबकि, मकान के पिछले हिस्से में वह परिवार सहित रहते हैं। रविवार रात करीब 11 बजे सुशील दुकान बंद कर घर के अंदर चले गए थे। रात करीब 1 बजे उनके बेटे ऋषि ने दुकान से तेज धुआं और आग की लपटें उठती देखीं।

अकाउंटेंट फंदे पर लटका

लखनऊ । लखनऊ के मड़ियांव इलाके में 49 साल के अकाउंटेंट ने फंदा लगा लिया। उनकी पत्नी और बेटियां गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचीं, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा है।

मुतक्कीपुर स्थित बालाजी इन्क्लेव निवासी हरि मोहन त्रिपाठी रविवार तड़के करीब 3:30 बजे अपने घर में फंदे से लटक गए।

अंतरराज्यीय गिरोह के 6 सदस्य गिरफ्तार

पुलिस मुठभेड़ में तीन बदमाशों को लगी गोली

तमसा संकेत, संवाददाता

चौमुहाँ। थाना जैत पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। ओमवार को पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में तीन बदमाशों को पैर में गोली लगी है, जबकि तीन अन्य को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने इनके पास से अवैध असलहे, कारतूस, एक मोटरसाइकिल और 1,04,000 रुपये नकद बरामद किए हैं। ये सभी आरोपी पशु चोरी की कई घटनाओं में वांछित थे।

थानाध्यक्ष जैत सोनू कुमार को मुखबिर से सूचना मिली थी कि थाना जैत में दर्ज मुकदमों से संबंधित पशु चोर गिरोह हाईवे के पास देवी आटस रोड पर किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में घूम रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने इलाके में घेराबंदी कर दी। पुलिस

को देखते ही बदमाशों ने जान से मारने की नीयत से फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में 3 बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए वृन्दावन स्थित सौ-शैय्या संयुक्त अस्पताल भेजा गया है।

मुठभेड़ में दीपक (सुल्तानपुरी, दिल्ली), जस्सी (बरसाना, मथुरा), रितिक (छाता, मथुरा) घायल हो गए। सागर (डीग, राजस्थान), अनिल (कोसी, मथुरा) सुमित (माट, मथुरा) को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने पकड़े गए बदमाशों के पास से 315 बोर के तीन तमंचे, जिंदा कारतूस और खोखे बरामद किए हैं। इसके अलावा, चोरी की वारदातों में इस्तेमाल की जाने वाली एक मोटरसाइकिल और 1,04,000 रुपये नकद भी जब्त किए गए हैं। सीओ सदर पीतमपाल सिंह ने बताया पकड़े गए बदमाशों का आपराधिक इतिहास काफी लंबा है। गिरोह के अधिकांश सदस्यों पर मथुरा के विभिन्न थानों (शेरगढ़, राया, गोवर्धन, मगोरा, जैत) में चोरी और अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। गिरोह के सदस्य सागर पर राजस्थान और हाथरस में भी आपराधिक मामले दर्ज हैं।

संबंधित अधिकारियों को शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए

जनता की सेवा ही मेरा सर्वोपरि धर्म : केशव मौर्य

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को अपने सरकारी आवास 7-कालिदास मार्ग पर 'जनता दर्शन' कार्यक्रम आयोजित कर प्रदेशभर से आए सैकड़ों फरियादियों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। जनता दर्शन में सहारनपुर, उन्नाव, बरेली, बदायूँ, कौशाम्बी, अलीगढ़, गाजियाबाद, झांसी और रायबरेली सहित विभिन्न जिलों से पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याएं उप मुख्यमंत्री के समक्ष रखीं। श्री मौर्य ने एक-एक फरियादी की शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए मौके पर मौजूद अधिकारियों एवं

संबंधित जिलों के प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को फोन और लिखित माध्यम से त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। जनता दर्शन के दौरान उप मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी सहारनपुर, उन्नाव, बरेली, बदायूँ, कौशाम्बी एवं अलीगढ़ से वार्ता कर जमीन, राजस्व एवं विकास कार्यों से जुड़े मामलों का शीघ्र निस्तारण करने को कहा। वहीं कानून-व्यवस्था से संबंधित शिकायतों पर उन्होंने पुलिस आयुक्त गाजियाबाद तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक झांसी एवं रायबरेली को पीड़ितों को तत्काल न्याय दिलाने के निर्देश दिए। जमीन विवाद एवं पैमाइश संबंधी मामलों को लेकर उन्होंने आयुक्त चकबंदी से भी फोन पर बातचीत कर आवश्यक विधिक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

■ उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए और जनता को अपनी जायज समस्याओं के समाधान के लिए परेशान नहीं होना पड़े।

जनता की सेवा करना ही उनका सर्वोपरि धर्म

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता की सेवा करना ही उनका सर्वोपरि धर्म है। उन्होंने कहा, "मैं कोई नेता बनकर लोगों की मदद नहीं करता, बल्कि बुजुर्गों का बेटा, युवाओं का मित्र और युवतियों का भाई बनकर उनकी सेवा करना ही मेरा उद्देश्य है।" उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनता की समस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

विद्यार्थियों को विज्ञान और शोध के क्षेत्र में हो रहे कार्यों के बारे में जानकारी दी गई

40 छात्र-छात्राओं ने किया पांच दिवसीय शैक्षिक भ्रमण

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। पीएमश्री राजकीय इंटर कॉलेज सूरतगंज के कुल 40 छात्र-छात्राओं को जिला विद्यालय निरीक्षक ओ.पी. त्रिपाठी एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य अरविंद सिंह के निर्देशन में पांच दिवसीय शैक्षिक भ्रमण पर प्रदेश से बाहर भेजा गया। यह शैक्षिक भ्रमण 06 फरवरी 2026 से 10 फरवरी 2026 तक आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों को चंडीगढ़, पंजाब और हरियाणा के प्रमुख शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थानों का भ्रमण कराया गया। इस भ्रमण के दौरान छात्रों को चंडीगढ़ स्थित सीआरआरआईडी, पंजाब के मोहाली स्थित आईआईएसईआर तथा हरियाणा के पिंजौर स्थित वल्चर कंजर्वेशन एंड ब्रीडिंग सेंटर का दौरा

कराया गया। यात्रा के दौरान विद्यालय के शिक्षक संजय कुमार और रावेंद्र वर्मा छात्र-छात्राओं के साथ मौजूद रहे और पूरे भ्रमण की देखरेख की। छात्र-छात्राओं को वातानुकूलित रेल कोच के माध्यम से चंडीगढ़ ले जाया गया। उनके ठहरने के लिए वातानुकूलित होटल में व्यवस्था की गई थी। साथ ही सुबह का नाश्ता तथा दोपहर और रात्रि भोजन की भी समुचित व्यवस्था की गई थी, जिससे विद्यार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। भ्रमण के दौरान जब छात्र-छात्राएं हरियाणा के पिंजौर स्थित वल्चर कंजर्वेशन एंड ब्रीडिंग सेंटर पहुंचे तो वहां उन्होंने गिद्धों की विभिन्न प्रजातियों के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। विशेषज्ञों ने बताया कि गिद्धों को प्रकृति का सफाईकर्मी भी कहा जाता है, क्योंकि वे मृत पशुओं को खाकर पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विद्यार्थियों ने गिद्धों की भारत में पाई जाने वाली प्रजातियों तथा उनके संरक्षण से जुड़ी जानकारियां भी प्राप्त कीं।

विद्यालय प्रशासन के अनुसार इस शैक्षिक भ्रमण का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना, उन्हें उच्च शिक्षा के अवसरों से परिचित कराना तथा विभिन्न राष्ट्रीय संस्थानों में होने वाले शोध कार्यों की जानकारी देना था।

प्रयोगशालाओं का भी अवलोकन किया

यहां विद्यार्थियों को विज्ञान और शोध के क्षेत्र में हो रहे कार्यों के बारे में जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने संस्थान की अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं का भी अवलोकन किया और वैज्ञानिक अनुसंधान की प्रक्रिया को करीब से समझा। इसके अलावा चंडीगढ़ स्थित सीआरआरआईडी में छात्रों को सामाजिक अनुसंधान और ग्रामीण विकास से जुड़े विषयों के बारे में जानकारी दी गई। यहां विशेषज्ञों ने बताया कि किस प्रकार विभिन्न सरकारी योजनाओं का संचालन किया जाता है और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए किस तरह शोध और अध्ययन किए जाते हैं।

अव्यवस्थाएं : यहां की व्यवस्था पर सवालिया निशान

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी । देववृक्ष पारिजात स्थल पर फैला गंदगी का साम्राज्य ₹ शौचालय में लटकता ताला आदि अव्यवस्थाएं यहां की व्यवस्था पर सवालिया निशान लगा रही है। अब तो लोग कहने लगे कि पारिजात स्थल प्रशासनिक उपेक्षा का शिकार हैं। सवाल ! यहीं कि जिस विभाग ने जिम्मेदारी ली उस पर 'अधजल गगरी छलकत जाए' मुहावरा चरितार्थ हैं । करते कुछ, दिखते कुछ ! मैं नहीं लोग कह रहें हैं। ये बिडम्बना ही हैं कि 14वे वित्त से बने शौचालय में लटकता ताला यहां अर्थात परिसर के अंदर की व्यवस्था को मुंह चिढ़ा रहा है। जिसके टैंक कच्चे बने प्रतीत हो रहे । जबकि चर्चा में उसे 15 वें वित्त एक दूसरा दिखाया गया ! चर्चाओं में.., ये मैं नहीं कुछ सूत्रों ने दी जानकारी । क्या ये जांच का विषय नही ? यहाँ पर कूड़ा के ढ़ेर में आग लगाया जाता ... अथार्त शोचनीय विषय ! कि दूरदराज से आने वाली महिला श्रद्धालुओं को

■ एक विभाग ने देखरेख की जिम्मेदारी ली परन्तु उस पर 'अधजल गगरी छलकत जाए' मुहावरा चरितार्थ

शौच के लिए काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है । यद्यपि बीते समय की बात ! तत्कालीन जिलाधिकारी ने देववृक्ष के दर्शन किया था विषेश निर्देश दिया था । कंटीन का रंगरोगन जरूर हुआ हैं। अंतता बिडम्बना ही हैं महिला श्रद्धालुओं को शौच के दिक्कतों का सामना करना पड़ता । मूलतः प्रशासनिक अधिकारियों का ध्यान इस समस्या की ओर ध्यान नहीं जा रहा ।

पृष्ठ 01 का शेष...

धर्मेंद्र को मरणोपरांत...

सम्मान लेने जाने से पहले उन्होंने जमीन पर लेटकर पीएम मोदी को प्रणाम किया। पुडुचेरी के सिलंबम (मार्शल आर्ट) खिलाड़ी के. पजनीवेल को पारंपरिक मार्शल आर्ट के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्होंने पीएम मोदी के पैर छूए। यूजीसी के पूर्व अध्यक्ष ममिडाला जगदेश कुमार को साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए पद्मश्री पुरस्कार मिला।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विज्ञापन जगत की जानी-मानी हस्ती दिवंगत पीयूष पांडे को मरणोपरांत पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया।

दिवंगत एक्टर धर्मेंद्र, सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज केटी थॉमस, कम्युनिस्ट नेता और केरल के पूर्व मुख्यमंत्री वीएस अच्युतानंदन समेत 5 हस्तियों को पद्म विभूषण अवॉर्ड की घोषणा की गई है।

अन्नाद्रमुक के तीन...

तीनों इस्तीफों के बाद AIADMK विधायकों की संख्या 47 से घटकर 44 रह गई है। मदुरंथकम, धारापुरम और पेरुंदुरई सीटों पर अब उपचुनाव होंगे।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के नतीजे 4 मई को आए थे। AIADMK 47 सीटें जीती थी। चुनाव में खराब प्रदर्शन के बाद AIADMK नेताओं का गुट दो खेमे में बंट गया। एक गुट AIADMK प्रमुख एडप्पादी पलानीस्वामी का था।

दूसरे गुट का नेतृत्व पार्टी नेता सीवी षणमुगम और एसपी वेलुमणि कर रहे थे। षणमुगम और वेलुमणि ने अपने साथ करीब 30 विधायकों के समर्थन का दावा किया। 13 मई के फ्लोर टेस्ट में 25 AIADMK विधायकों ने TVK का साथ दिया।

'इजराइल से दोस्ती...

ट्रम्प ने कहा कि UAE और बहरीन पहले से अब्राहम समझौते का हिस्सा हैं। कुछ देशों के पास इसमें शामिल न होने की 'एक-दो वजहें' हो सकती हैं, लेकिन ज्यादातर देशों को इसके लिए तैयार होना चाहिए।

दरअसल, पाकिस्तान समेत इन मुस्लिम देशों ने अभी तक इजराइल को मान्यता नहीं दी है। ये देश इजराइल के साथ व्यापारिक और डिप्लोमेटिक से लेकर किसी भी तरह का रिश्ता भी नहीं रखते हैं।

इससे पहले अमेरिकी न्यूज वेबसाइट एक्सियोस ने ट्रम्प की मुस्लिम देशों के नेताओं के साथ मीटिंग का दावा किया था। रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प ने शनिवार को मोहम्मद बिन सलमान (सऊदी), मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान (UAE), तमिम बिन हमद अल थानी (कतर), आसिम मुनीर (पाकिस्तान), रजब तैयब एर्दोआन (तुर्किए), अब्देल फतह अल-सिसी(मिस्र) समेत कई नेताओं से बातचीत की।

ट्रम्प ने जब इन नेताओं से इजराइल के साथ रिश्ते सुधारने को कहा तो कॉल पर कुछ सेकेंड के लिए चुप्पी छा गई। खासकर सऊदी अरब, कतर और पाकिस्तान की तरफ से कोई तत्काल प्रतिक्रिया नहीं आई।

ट्रम्प बोले- इजराइल...

उन्होंने कहा कि UAE, बहरीन, मोरक्को, सूडान और कजाकिस्तान को इससे खूब फायदा मिला है।

उन्होंने इसे दुनिया का सबसे सम्मानित और सबसे महत्वपूर्ण समझौता बताया।

कश्मीर के गुलमर्ग...

गुलमर्ग गोंडोला दो फेज में बंटा है। पहला फेज गुलमर्ग को कोंगडोरी से जोड़ता है। दूसरा फेज कोंगडोरी से अफरवात स्टेशन तक जाता है। दोनों रूट में कुल 108 केबिन कार हैं। श्रीनगर से गुलमर्ग गोंडोला की दूरी 51 किमी है।

सूत्रों के मुताबिक, गुलमर्ग गोंडोला में रविवार को भी तकनीकी गड़बड़ी आई थी, हालांकि मरम्मत के बाद सोमवार को सेवा दोबारा शुरू कर दी गई थी। 24 घंटे के भीतर दूसरी बार फिर से तकनीकी खराबी आ गई, जिससे सैकड़ों पर्यटक फंस गए।

इससे पहले गुलमर्ग गोंडोला में 25 जून 2017 को हादसा हुआ था। तेज आंधी के दौरान एक पेड़ गोंडोला की केबल लाइन पर गिर गया। इससे एक केबिन जोर से झूलने लगा और उसके शीशे टूट गए। केबिन में सवार लोग करीब 100 फीट नीचे गिर गए, जिससे सात लोगों की मौत हो गई थी।

घटना को लेकर गृह मंत्री अमित शाह ने X पर पोस्ट के जरिए रेस्क्यू टीमों की सराहना की। शाह ने कहा कि 65 केबल कार केबिनों में फंसे यात्रियों को निकालने के लिए करीब 6 घंटे लंबा रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। बचाव दलों के साहस और कौशल पर पूरा देश गर्व करता है।

कॉकरोच जनता पार्टी...

याचिकाकर्ता का आरोप है कि संबंधित लोगों ने खुद को वकील या कानूनी विशेषज्ञ बताकर जनता को गुमराह किया और न्यायिक प्रक्रिया की विश्वसनीयता को ठेस पहुंचाई। याचिका में CBI को निर्देश देने की अपील की गई है कि जाली डिग्रियों के कथित उपयोग और आपराधिक साजिश की गहन जांच की जाए।

'कॉकरोच जनता पार्टी' एक व्यंग्यात्मक और मीम-आधारित डिजिटल आंदोलन है, जिसकी शुरुआत बोस्टन विश्वविद्यालय के छात्र अभिजीत दीपके ने की थी। यह खुद को 'बेरोजगार युवाओं की आवाज' बताता है। पिछले सप्ताह यह आंदोलन खासकर जेन-जी युवाओं के बीच तेजी से वायरल हुआ। व्यंग्य, सत्ता-विरोधी टिप्पणियों और मीम्स के जरिए यह एक बड़े डिजिटल विरोध में बदल गया और विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर लाखों फॉलोअर्स हासिल किए। प्रतिबंध लगने के तुरंत बाद अभिजीत दीपके ने नया हैंडल 'Cockroach is Back' शुरू किया और समर्थकों से इसमें शामिल होने की अपील की।

शनिवार को अभिजीत दीपके ने कार्रवाई का आरोप लगाते हुए कहा कि कई अकाउंट्स हटाए जाने और हैकिंग की घटनाओं के बाद अब संगठन की किसी भी सोशल मीडिया अकाउंट तक पहुंच नहीं रही है। उन्होंने दावा किया कि उनका व्यक्तिगत इंस्टाग्राम अकाउंट भी हैक कर लिया गया है। दीपके ने 'एक्स' पर लिखा कि कॉकरोच जनता पार्टी के खिलाफ कार्रवाई। इंस्टाग्राम पेज हैक किया गया। मेरा व्यक्तिगत इंस्टाग्राम अकाउंट भी हैक किया गया। ट्विटर अकाउंट पर रोक लगाई गई। बैकअप अकाउंट पर भी रोक लगा दी गई। उन्होंने आगे कहा कि फिलहाल हम अपने सोशल मीडिया अकाउंट का इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं। इस पोस्ट के बाद किसी भी पोस्ट को CJP का आधिकारिक बयान न माना जाए। संगठन की वेबसाइट (cockroachjanataparty.org) भी बंद कर दी गई है।

खेत के किनारे मिला...

लेकिन सबसे बड़ा सवाल यही है— अगर यह लूट नहीं थी, तो फिर हत्या इतनी बेरहमी से क्यों की गई?

न कोई स्पष्ट लूट, न कोई गवाह, न कोई आवाज—बस खेत में फैली खामोशी।

एसपी प्राची सिंह और सीओ भीटी लक्ष्मीकांत मिश्रा ने मौके पर पहुंचकर जांच की। फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए।

मामले की गंभीरता को देखते हुए चार पुलिस टीमों को जांच में लगाया गया है। स्वाट टीम भी एक्टिव है।

फिलहाल गांव में एक ही चर्चा है— रात और सुबह के बीच खेत में ऐसा क्या हुआ, जिसने एक आम दिन को मौत की कहानी बना दिया।

प्रतीक की तेरहवीं...

लखनऊ में विक्रमादित्य मार्ग पर स्थित अपर्णा के घर पर तेरहवीं कार्यक्रम हुआ। इसमें रामधुन बजी। शहर के कई इलाकों में प्रतीक की तेरहवीं से जुड़े शोक संदेशों के होर्डिंग लगाए गए हैं। 13 मई की सुबह प्रतीक यादव का 38 साल की उम्र में हार्ट अटैक से निधन हो गया था।

अगले दिन यानी 14 मई को लखनऊ के बैकुंठ धाम श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। मुखाग्नि ससुर अरविंद सिंह बिष्ट ने दी थी।

स्मार्ट फोन से दूरी बनाई, ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर दौड़ते थे, 2008 में मशहूर धावक उसैन बोल्ट ने ओलिंपिक में गोल्ड मेडल जीता था

पिता से उसेन बोल्ट के किस्से सुनकर धावक बने गुरिंदरवीर

रिकॉर्ड

कोविड में ट्रैक और जिम बंद होने पर जालंधर में गुरिंदरवीर, कोच सरबजीत सिंह हैप्पी के साथ चोरी-छिपे स्थानीय पार्कों के ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर दौड़ते थे। वे सुबह सुरक्षाकर्मियों की नजरों से बचकर ट्रैक पर पहुंचते, रनिंग ड्रिल पूरी कर लौट आते। कई बार ट्रेनिंग जारी रखने के लिए पटियाला में कुछ दिनों के लिए होटल किराए पर लेना पड़ता था।

नई दिल्ली, एजेंसी

25 साल के गुरिंदरवीर सिंह ने शनिवार को एथलेटिक्स फेडरेशन कप की 100 मीटर दौड़ 10.09 सेकेंड में पूरी कर भारत के सबसे तेज धावक बनने का रिकॉर्ड बनाया। साल 2008 में मशहूर धावक उसैन बोल्ट ने ओलिंपिक में गोल्ड मेडल जीता था। तब 7 साल के गुरिंदरवीर सिंह TV पर यह देख रहे थे। बोल्ट को रिकॉर्ड बनाते देख वे प्रेरित हुए और तभी ठान लिया कि एक दिन भारत के सबसे तेज धावक बनकर देश का नाम रोशन करेंगे। कांस्टेबल पिता कमलजीत उन्हें अक्सर बोल्ट के किस्से सुनाते थे। रूममेट तक कहने लगे कि फाइनल भी पूरा नहीं कर पाओगे। गुरिंदरवीर ने पिता कमलजीत सिंह को फोन कर कहा कि दूसरा-तीसरा रैंक शायद मिल जाए। यह सुन पिता बोले 'अगर सोच ही वही है, तो पहला कभी नहीं आएगा।' पिता की यही डांट प्रेरणा बनी और अगले दिन गुरिंदरवीर ने पहला रैंक हासिल कर गोल्ड जीत लिया।

जीत के बाद गुरिंदरवीर सिंह की मां रुपिंदर कौर और पिता कमलजीत सिंह।

रूममेट बोला- 'फाइनल भी पूरा नहीं कर पाओगे', गोल्ड जीतकर जवाब दिया

2017 की एशियन यूथ चैम्पियनशिप से पहले गुरिंदरवीर ने 6 महीने तक स्मार्टफोन से दूरी बना ली थी। उनकी दुनिया सिर्फ अभ्यास और ट्रैक तक सीमित थी। लेकिन बैंकॉक में 100 मीटर हीट में वे आखिरी रहे तो ताने मिलने लगे।

गुरिंदरवीर सिंह की यह तस्वीर रांची में फेडरेशन कप के दौरान ली गई है। जहां वे 10.09 सेकेंड की टाइमिंग के साथ भारत के सबसे तेज धावक बने।

आईपीएल के आखिरी लीग मैच में दिल्ली जीती

कोलकाता को 40 रन से हराया

ईडन गार्डन्स, एजेंसी

IPL 2026 के आखिरी लीग मैच दिल्ली कैपिटल्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 40 रन से हरा दिया। ईडन गार्डन्स में टॉस हारकर दिल्ली ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 203 रन बनाए। जवाब में कोलकाता 18.4 ओवर में 163 रन पर ऑलआउट हो गई। दोनों टीमें पहले ही प्लेऑफ से बाहर हो चुकी थीं। 204 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी कोलकाता के लिए अजिंक्य रहाणे ने सबसे ज्यादा 63 रन बनाए, जबकि मनीष पांडे ने 25 और रोवमन पॉवेल ने 29 रन की पारी खेली। हालांकि लगातार विकेट गिरने से कोलकाता कभी मैच में वापसी नहीं कर सकी। लुंगी एनगिडी और कुलदीप यादव ने 3-3 विकेट लिए। वहीं मिचेल स्टार्क को 2 विकेट मिले। अक्षर पटेल को एक विकेट और रोवमन पॉवेल रन आउट हुए।

दिल्ली के लिए केएल राहुल ने सबसे ज्यादा 60 रन की पारी खेली। उन्होंने 30 गेंदों में 5 चौके और 4 छक्के लगाए। अक्षर पटेल ने कप्तानी पारी खेलते हुए 39 रन बनाए, जबकि डेविड मिलर ने 28 रन और आशुतोष शर्मा ने नाबाद 18 रन जोड़कर टीम को 200 के पार पहुंचाया। दिल्ली ने रविवार को कोलकाता 40 रन से हरा दिया। आखिरी विकेट लुंगी एनगिडी ने लिया।

पूर्व रणजी क्रिकेटर को मैच के दौरान अटैक आया, मौत

एसएल अक्षय ने 2014-15 में कर्नाटक के लिए रणजी ट्रॉफी जीती

बेंगलुरु, एजेंसी

कर्नाटक के पूर्व तेज गेंदबाज एसएल अक्षय का रविवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वे 39 वर्ष के थे। वे 2014-15 के सीजन में रणजी ट्रॉफी जीतने वाली कर्नाटक टीम का हिस्सा थे।

अक्षय बेंगलुरु में KSCA के थर्ड डिवीजन मैच में सैफायर सीसी की ओर से खेल रहे थे। चार ओवर गेंदबाजी करने के बाद उन्होंने असहज महसूस होने की शिकायत की और मैदान से बाहर चले गए।

उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। शुरुआती जानकारी के अनुसार उनकी मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई।

पूर्व क्रिकेटर डोडा गणेश ने भी उनके निधन पर दुख जताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा- 'क्रिकेट जगत के लिए यह दुखद खबर है। मेरे पास अपने दुख को व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं हैं।' डोडा गणेश ने आगे लिखा कि शांत स्वभाव के अक्षय ने 2011-12 में कर्नाटक के लिए खेलते हुए अच्छी सफलता हासिल की थी। क्रिकेट से संन्यास के बाद अक्षय कोचिंग से जुड़ गए थे।

कर्नाटक संघ ने शोक जताया, लिखा- समर्पण और जुनून से क्रिकेट की सेवा की

कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (KSCA) ने बयान जारी कर अक्षय के निधन पर शोक जताया। संघ ने कहा, 'अक्षय ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में कर्नाटक का शानदार प्रतिनिधित्व किया। खेल करियर खत्म होने के बाद भी उन्होंने पूरे समर्पण और जुनून के साथ क्रिकेट की सेवा जारी रखी।'

बेटी पर भी भद्दे कमेंट किए, आईपीएल मैच में बहस हुई थी, मैच के बाद कोहली ने हेड से हाथ नहीं मिलाया था

कोहली के फैंस ने हेड की पत्नी को ट्रोल किया

नई दिल्ली, एजेंसी

IPL मैच में बहस के बाद विराट कोहली के फैंस ने ट्रैविस हेड के परिवार को ट्रोल किया। उनकी बेटी पर भी भद्दे और आपत्तिजनक कमेंट किए गए। हेड की पत्नी जेसिका ने ऑस्ट्रेलिया के अखबार 'द एडवर-टाइजर' से कहा- 'यह सब मुझे 2023 वर्ल्ड कप फाइनल के बाद की ट्रोलिंग की याद दिला रहा है।'

जेसिका ने बताया- 'जब मैं सोकर उठी तो मेरा सोशल मीडिया भरा पड़ा थाहम ठीक हैं। लेकिन, वे मेरे दोस्तों और परिवार पर निशाना साध रहे हैं।' जेसिका ने कहा-इस समय सभी खेलों में मानसिक स्वास्थ्य, नजरिए और एक-दूसरे से बात करने के तरीके को लेकर जरूरी चर्चा हो रही है। जुनून हमेशा खेल का हिस्सा रहेगा, लेकिन यह याद रखना भी उतना ही जरूरी है कि खेल के पीछे लोग और परिवार होते हैं। उम्मीद है कि इससे एक-दूसरे के प्रति अधिक काइंडनेस और सपोर्ट को बढ़ावा मिलेगा। भारत सुंदरासन ने कहा कि उन्होंने ट्रैविस हेड से बात की थी और वह ठीक हैं। उन्होंने सलाह दी कि खिलाड़ियों को ऐसे मामलों में सोशल मीडिया से दूरी बना लेनी चाहिए और किसी भी ट्रोलिंग का जवाब नहीं देना चाहिए।

तस्वीर 22 मई है, हेड-कोहली ने हैदराबाद और बेंगलुरु के बीच मैच के बाद आपस में हाथ नहीं मिलाया था।

शादी की फोटोज में आपत्तिजनक कमेंट किए

रिपोर्ट्स के अनुसार सोशल मीडिया पर ट्रेविस हेड की शादी की तस्वीरों तक पर आपत्तिजनक कमेंट किए गए। कुछ यूजर्स ने उनके परिवार को धमकियां भी दीं। जेसिका ने बताया कि 2023 वनडे वर्ल्ड कप फाइनल, वर्ल्ड टेस्ट चैंपिय-नशिप फाइनल और 2024 बॉक्सिंग डे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की भारत पर जीत के बाद भी उन्हें और उनके परिवार को इसी तरह के संदेश मिले थे।

कमेंटेटर सुंदरेशन बोले- मैच के बाद कोहली का बिहेवियर गलत

इसी बीच भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट और कमेंटेटर भरत सुंदरेशन ने कोहली के बिहेवियर को गलत ठहराया। उनके मुताबिक भारत में क्रिकेटरों को लेकर फैन कल्चर हमेशा से बहुत भावुक रहा है, लेकिन अब यह ज्यादा आक्रामक और ट्राइबल हो गया है।

वनडे वर्ल्ड ट्रॉफी के साथ जेसिका और हेड। उन्हें भारत के फाइनल हारने के बाद भी ट्रोल किया गया था।

22 मई को हैदराबाद-बेंगलुरु मैच के दौरान ट्रैविस हेड और विराट कोहली के बीच तीखी नोंकझोंक हुई थी। इसके बाद कोहली ने मैच के बाद हेड से हाथ नहीं मिलाया था।

मनोरंजन

'उम्रदराज लोगों को रेड कार्पेट पर देखने की आदत डाल लो'

ऐश्वर्या राय के ट्रोलर्स पर भड़कीं कंगना

नई दिल्ली। एक्ट्रेस कंगना रनोट ने हाल ही में ऐश्वर्या राय को ट्रोल करने वालों की फटकार लगाई है। दरअसल, ऐश्वर्या हर साल की तरह इस साल भी कांस फिल्म फेस्टिवल का हिस्सा बनी थीं। उनकी तस्वीरें जमकर वायरल हुईं। जहां कुछ लोग उनके ग्लोबल स्टारडम की तारीफ कर रहे हैं, वहीं कुछ उनके लुक्स को ट्रोल भी कर रहे हैं। अब कंगना रनोट ने उन ट्रोलर्स पर भड़कते हुए कहा है कि ऐश्वर्या को किसी को खुश करने की जरुरत नहीं है।

कंगना रनोट ने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से ऐश्वर्या राय की तस्वीर शेयर कर लिखा है, 'फैशन और स्टाइल इंसान की अपनी पहचान और खुद को जाहिर करने का तरीका होता है। हर व्यक्ति अपनी

जिंदगी और सोच को अपने तरीके से दिखाता है। कोई भी महिला किसी को कुछ साबित करने या खुश करने की जिम्मेदार नहीं है।'

आगे कंगना ने लिखा है, 'ऐश्वर्या बेहद खूबसूरत लग रही हैं। जिन्हें उन्हें किसी और तरह देखना है, वो पहले खुद दिखाएं कि उनमें क्या खास है। वो यहां किसी को खुश करने नहीं आई हैं। वो शानदार हैं। अगर आपको रेड कार्पेट पर उम्रदराज महिलाओं को देखने की आदत नहीं है, तो अब इसकी आदत डाल लीजिए।

लड़कियों जैसा कहकर उड़ा मजाक, अमिताभ को डायरेक्ट करने के डर से बेहोश हुए

54 साल के हुए करण जौहर

आज करण जौहर फिल्म इंडस्ट्री के टॉप फिल्ममेकर हैं, लेकिन एक समय ऐसा था जब उनके अपने माता-पिता नहीं चाहते थे कि वो इंडस्ट्री में आएं। करण के फिल्मी करियर की शुरुआत फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' से ही हुई थी। फिल्म में वो असिस्टेंट डायरेक्टर थे।

नई दिल्ली। बचपन से ही करण जौहर की चाल, बोलने का तरीका और बॉडी लैंग्वेज मजाक का कारण बनी। जिसके चलते करण धीरे-धीरे इतने डर गए कि लोगों के बीच जाने से कतराने लगे। घरवालों से झूठ बोला कि वो कंप्यूटर क्लास जा रहे हैं, जबकि असल में वो आवाज बदलने की ट्रेनिंग ले रहे थे। माता-पिता नहीं चाहते थे कि वो फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा बनें।

फिर एक दिन उसी अंडरकॉन्फि-डेंट लड़के से शाहरुख खान ने कहा कि तुम्हें फिल्म डायरेक्ट करना चाहिए। मैं तुम्हारी फिल्म में एक्टिंग करूंगा और उनकी पहली ही फिल्म 'कुछ कुछ होता है' आई, जो ब्लॉकबस्टर रही। बाद में करण ने 'कभी खुशी कभी गम' और 'ऐ दिल है मुश्किल' जैसी कई हिट फिल्में डायरेक्ट की। करण नेपोटिज्म को लेकर ट्रोल भी हुए, लेकिन संघर्ष, ताने और आलोचनाओं के बीच उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई और उनकी गिनती बॉलीवुड के टॉप फिल्ममेकर्स में होती है। आज करण जौहर भले ही बॉलीवुड के सबसे कॉन्फिडेंट और स्टाइलिश फिल्ममेकर माने जाते हों, लेकिन बचपन में वो बेहद डरे हुए और अंडरकॉन्फिडेंट बच्चे थे।

DDLJ में करण ने शाहरुख खान (राज) के दोस्त का छोटा सा रोल निभाया था।

'मेट गाला' में शामिल एकमात्र भारतीय डायरेक्टर

करण ने निखिल तनेजा को दिए इंटरव्यू में कहा था, 'मेरे माता-पिता भी परेशान रहते थे क्योंकि मैं बहुत शर्मीला और इंट्रोवर्ट था। आज शायद लोग इस बात पर भरोसा नहीं करेंगे, लेकिन मैं लोगों के बीच जाने से डरता था। मैं बचपन में बहुत एफेमिनेट (लड़कियों जैसा) था और ओवरवेट भी था। जब भी मैं कोई खेल खेलने जाता था तो लोग मेरा मजाक उड़ाते थे। लोग कहते थे कि मैं अजीब तरीके से दौड़ता हूं या मेरे हाथों के हाव-भाव अलग हैं।' उन्होंने कहा था, '80 के दशक में लोग 'पैंसी' शब्द इस्तेमाल करते थे।

अक्षय-अक्षरा ने उड़ाया गर्दा, रील्स पर छाने को तैयार 'घिस घिस'

'वेलकम टू द जंगल' में लगा भोजपुरी तड़का

विक्रम मोंट्रोस द्वारा कंपोज किया गया 'घिस घिस घिस' हाई एनर्जी, देसी स्वैग और फुल ऑन मस्ती से भरपूर एंटरटेनर है। विक्रम मोंट्रोस और सुप्रिया पाठक की दमदार आवाजों के साथ, अभिनव शेखर द्वारा लिखे गए बोल इस गाने में 'वेलकम' फ्रेंचाइजी की वही रंगीन, शोरगुल वाली और एंटरटेनिंग दुनिया को जिंदा करते हैं, जिसे दर्शक बेहद पसंद करते हैं।

नई दिल्ली। अपनी बड़ी स्टारकास्ट और बड़े कॉमिक यूनिवर्स को लेकर पहले ही जबरदस्त चर्चा में बनी हुई फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' से अब नया गाना 'घिस घिस घिस' रिलीज कर दिया है। यह गाना बॉलीवुड और भोजपुरी तड़के का ऐसा धमाकेदार कोलेब है, जो प्लेलिस्ट, शादियों और सोशल मीडिया रील्स पर छाने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस गाने की सबसे खास बात है अक्षय कुमार और भोजपुरी सुपरस्टार अक्षरा सिंह की दमदार जोड़ी, जिनकी केमिस्ट्री और स्क्रीन प्रेजेंस इस गाने में अलग ही आग लगा देती है। भव्य सेट्स, रंग-बिरंगे विजुअल्स, फेस्टिव वाइब्स और वायरल होने वाले हुक स्टेप्स के साथ 'घिस घिस घिस' को पूरी तरह मास ऑडियंस को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। अक्षय कुमार इस गाने में बिल्कुल अलग अंदाज़ में नजर आ रहे हैं। अपने कूल डांस मूव्स के लिए पहचाने जाने वाले अक्षय इस बार देसी और रस्टिक अवतार में पूरी तरह छा गए हैं। गाने का हुक आइडिया इश्तेयाक मुस्ताक का है, जबकि इसका म्यूजिक प्रोडक्शन आकाश यादव और विक्रम मोंट्रोस ने किया है। जंगली म्यूज़िक द्वारा प्रस्तुत

'घिस घिस घिस' अब सभी प्रमुख ऑडियो प्लेटफॉर्म्स पर स्ट्रीम हो रहा है, जबकि इसका फुल म्यूजिक वीडियो टाइम्स म्यूजिक के यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। फिल्म में अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, दिशा पटानी, जैकलीन फर्नांडिस, अरशद वारसी, जैकी श्रॉफ, परेश रावल, रवीना टंडन, लारा दत्ता, फरीदा जलाल, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, तुषार कपूर, राजपाल यादव, कृष्णा अभिषेक, वृहि कोडवारा, आदित्या सिंह और भाग्य भानुशाली जैसे कलाकार नजर आएंगे।

ईरान बोला- उसकी गारंटी पर भरोसा नहीं, इजराइल बातचीत बिगाड़ने की कोशिश करेगा

अमेरिका की धमकियों से नहीं डरते : ईरान

टकराव

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ईस्माइल बघाई ने कहा कि उनका देश अमेरिका की धमकियों की परवाह नहीं करता। उन्होंने कहा कि इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि अमेरिका किसी संभावित समझौते का पूरी तरह पालन करेगा।

बघाई ने कहा कि इजराइल अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत को कमजोर करने की कोशिश कर सकता है। उन्होंने कहा कि इजराइली शासन पूरी कोशिश कर रहा है कि यह समझौता न हो सके। हमें उम्मीद है कि वह बातचीत को प्रभावित करने की कोशिश करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ देश लगातार युद्ध और टकराव की बात कर रहे हैं, जिसका असर अमेरिकी अधिकारियों पर भी पड़ सकता है।

ओमान के विदेश मंत्री बद्र बिन हमद अल बुसैदी ने यूरोपीय संघ (ईयू) की विदेश नीति प्रमुख काजा कालास से फोन पर बात की। ओमान के विदेश मंत्रालय के मुताबिक दोनों नेताओं ने मिडिल ईस्ट के हालात और इलाके में बढ़ते तनाव पर चर्चा की।

बातचीत में होर्मुज में समुद्री आवाजाही फिर से शुरू कराने और क्षेत्र में तनाव कम करने की कोशिशों का समर्थन किया गया। इसके अलावा यूरोपीय संघ और ओमान के बीच चल रहे सहयोग और साझेदारी पर भी चर्चा हुई।

ईरान बोला- होर्मुज का कंट्रोल उसके आस पास के देशों का होना चाहिए

ईरान ने कहा है कि होर्मुज का कंट्रोल वहां के आसपास मौजूद देशों के हाथ में होना चाहिए। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता बघाई ने कहा कि ईरान जहाजों से कोई अलग टैक्स नहीं लेगा। लेकिन अगर सुरक्षा या दूसरी सुविधाएं दी जाएंगी, तो उसके बदले पैसे लेना सामान्य बात है। उन्होंने कहा कि ईरान इस इलाके के दूसरे देशों से लगातार बात कर रहा है, ताकि समुद्री रास्ता सुरक्षित रहे और सभी देशों के हित सुरक्षित रहें।

ईरानी सांसद बोले- हम कभी दबाव और धमकी के आगे नहीं झुकेंगे

ईरान के सांसद इब्राहिम रेजाई ने कहा कि ईरान दबाव और धमकियों के आगे कभी नहीं झुकेगा। इब्राहिम रेजाई ईरान की संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के प्रवक्ता हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, मिलिट्री वॉर में हमारी पॉलिसी आंख के बदले आंख थी और डिप्लोमेसी लड़ाई में भी जवाब उसी तरह दिया जाएगा। रेजाई ने ट्रम्प पर तंज करते हुए कहा कि अमेरिका समय के दबाव में है। अगर अमेरिका समझौता चाहता है तो उसे बातचीत करनी चाहिए। अमेरिका अपनी सख्ती जारी रखता है तो वहां पेट्रोल और गैस की कीमतें बढ़ सकती हैं।

ईरानी विदेश मंत्री यूएनएससी बैठक में शामिल नहीं होंगे, अमेरिकी वीजा नहीं मिला

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची न्यूयॉर्क में होने वाली संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) की बैठक में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि इसकी वजह अमेरिकी वीजा से जुड़ी समस्या है। रिपोर्ट के मुताबिक अराघची को अमेरिका जाने के लिए जरूरी वीजा नहीं मिल पाया।

एक्सपर्ट बोले- ट्रम्प को इजराइल से कोई खास फायदा नहीं मिल सकता

इजराइली पॉलिटिकल एक्सपर्ट ओरी गोल्डबर्ग का कहना है कि डोनाल्ड ट्रम्प अब इजराइल से ज्यादा अमेरिका के हितों को प्राथमिकता दे सकते हैं।

उन्होंने यह बात उन खबरों के बीच कही, जिनमें दावा किया गया है कि इजराइली नेता अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं।

ओरी गोल्डबर्ग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि इजराइल इस समय बेहद कमजोर स्थिति में है और वह ट्रम्प को कोई खास फायदा नहीं दे सकता। उन्होंने यह भी कहा कि गाजा युद्ध की भारी कीमत इजराइल को अभी पूरी तरह चुकानी बाकी है। एक दूसरे पोस्ट में गोल्डबर्ग ने कहा कि ईरान के मुद्दे पर अमेरिका और इजराइल की सोच कभी पूरी तरह एक जैसी नहीं रही।

उनके मुताबिक ट्रम्प का मुख्य फोकस ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर था, जबकि इजराइल ईरान में सत्ता परिवर्तन और बड़े स्तर पर तबाही चाहता था। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ईस्माइल बघाई ने कहा कि इजराइल अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत को कमजोर करने की कोशिश कर सकता है। उन्होंने कहा कि इजराइली शासन पूरी कोशिश कर रहा है कि यह समझौता न हो सके। हमें उम्मीद है कि वह बातचीत को प्रभावित करने की कोशिश करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ देश लगातार युद्ध और टकराव की बात कर रहे हैं, जिसका असर अमेरिकी अधिकारियों पर भी पड़ सकता है।

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ईस्माइल बघाई ने कहा कि उनका देश अमेरिका की धमकियों की परवाह नहीं करता। उन्होंने कहा कि इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि अमेरिका किसी संभावित समझौते का पूरी तरह पालन करेगा।

बघाई के मुताबिक पिछले कुछ हफ्तों में जो बदलाव देखने को मिले हैं, उनमें पाकिस्तान और कुछ दूसरे देशों की मध्यस्थता की बड़ी भूमिका रही है। हालांकि फिलहाल किसी पाकिस्तानी अधिकारियों के तेहरान आने की कोई आधिकारिक योजना नहीं है।

बांग्लादेश ने ट्रैफिक से निजात पाने के लिए शुरू किया नया सिस्टम

नई दिल्ली, एजेंसी

बांग्लादेश की राजधानी ढाका में घनी आबादी और अपने भयंकर ट्रैफिक के लिए बदनाम भी। पूरे ढाका में बसें, कारें, मोटरसाइकिलें और रिक्शे भी एक-दूसरे से होड़ करते नजर आते हैं। ऐसा लगता है मानो वे सिग्नलों, पैदल चलने वालों, क्रॉसिंग और यहां तक कि ट्रैफिक पुलिस को भी ऐसी बाधाएं मानते हैं जिन्हें पार करना है।

ऐसे में मौके पर ही पुलिस द्वारा लगाए गए जुर्माने अक्सर बहस का कारण बनते हैं, टकराव आम बात है और कई बार आदेश मानने से इनकार करने वाले वाहनों की चपेट में आकर पुलिस अधिकारी घायल भी हो जाते हैं। अब इससे निजात पाने के लिए दुनिया के सबसे भीड़भाड़ वाले शहरों में से एक ढाका ने अब पहला एआई-पावर्ड ट्रैफिक सिस्टम शुरू किया है।

ट्रैफिक कर्मी एस.एम. नाजिमुद्दीन ने कहा, ₹जो लोग नियमों का उल्लंघन करते हैं, वे हमारे ही खिलाफ हो जाते हैं। लेकिन जब से एआई आया है गाड़ी चलाने वाले लोग कानून का पालन करने लगे हैं और हम रोज-रोज के झगड़ों से बच गए हैं। ट्रैफिक प्रबंधन को आधुनिक बनाने के बार-बार किए गए प्रयासों के बावजूद 2.2 करोड़ से ज्यादा आबादी वाला यह शहर अब भी मैनुअल नियंत्रण पर ही निर्भर था। यहां अधिकारी ट्रैफिक लाइट के हरे होने से पहले ही सड़कों पर रस्सियां तान देते थे।

लेकिन अप्रैल में ढाका पुलिस ने ट्रैफिक कैमरों को एक ऐसे आर्टिफि-शियल इंटेलिजेंस सॉफ्टवेयर से जोड़ा, जिसे अपने-आप नियमों का उल्लंघन पकड़ने के लिए डिजाइन किया गया है।

रूस ने यूक्रेन पर ओरेश्निक मिसाइल से हमला किया

यह परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम

कीव, एजेंसी

रूस ने रविवार को यूक्रेन पर कई मिसाइलों और ड्रोनों से हमला किया जिसमें कम से कम 4 लोगों की मौत हो गई और कई दर्जन लोग घायल हैं। हमलों का निशाना यूक्रेन की राजधानी कीव के आसपास के इलाके थे। रूस ने कहा कि यह हमला यूक्रेनी हमलों के जवाब में किया गया। रूसी रक्षा मंत्रालय के मुताबिक हमलेमें ओरेशनिक हाइपरसोनिक मिसाइल का भी इस्तेमाल हुआ। यह मिसाइल परमाणु हथियार ले जाने में भी सक्षम है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रूस पर जानबूझकर नागरिक इलाकों को निशाना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने टेलीग्राम पर लिखा कि रूसी हमलों में पानी सप्लाई करने वाली एक फैसिलिटी को नुकसान पहुंचा, एक बाजार जल गया और कई घरों व स्कूलों पर हमला हुआ। जेलेंस्की ने कहा कि रूस के तरफ से दागी ओरेश्निक मिसाइल बिला त्सेरक्वा शहर के पास गिरी। उन्होंने कहा, "वे सचमुच पागल हो चुके हैं। जरूरी है कि रूस को इसकी सजा मिले।" यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्री सिबिहा ने कहा कि मिसाइल में डमी वारहेड लगाया गया था। अमेरिका ओरेश्निक को मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल मानता है। यह मिसाइल पारंपरिक या परमाणु वारहेड ले जाने में सक्षम है। इसकी रफ्तार और उड़ान का तरीका ऐसा है कि यूक्रेन के मौजूदा एयर डिफेंस सिस्टम के लिए इसे रोकना लगभग नामुमकिन माना जाता है।

चांदी 3,754 बढ़कर 2.70 लाख किलो हुई

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 25 मई को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसि-एशन (IBJA) के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने के दाम 505 रुपए बढ़कर 1.59 लाख रुपए हो गया है। वहीं, 1 किलो चांदी की कीमत 3,754 रुपए बढ़कर 2.70 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस साल सोने-चांदी की कीमत में तेजी रही है। सोना 2026 में अब तक 25 हजार रुपए और चांदी 39 हजार रुपए महंगी हुई है।

इबोला का प्रकोप 20 दिन में 200 से ज्यादा मौतें

भारत, अमेरिका, फ्रांस, जापान और अफ्रीकी देशों ने क्या कदम उठाए?

नई दिल्ली, एजेंसी

अफ्रीका महाद्वीप में इबोला वायरस तेजी से फैल रहा है। कांगो (डीआरसी) और युगांडा में बढ़ते मामलों को देखते हुए भारत सरकार ने सतर्कता बरतते हुए कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान के लिए ट्रैवल एडवाइजरी जारी कर दी है। केंद्र ने भारतीय नागरिकों से इन देशों की गैर-जरूरी यात्रा टालने की अपील की है। विदेश मंत्रालय और स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त एडवाइजरी के अनुसार, इन तीनों देशों से लौटे या ट्रांजिट यात्रियों को 21 दिनों तक अपनी सेहत पर नजर रखनी होगी।

बुखार, कमजोरी, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, उल्टी, दस्त, गले में खराश या ब्लीडिंग जैसे लक्षण दिखने पर तुरंत एयरपोर्ट हेल्थ डेस्क या नजदीकी डॉक्टर से संपर्क करना होगा। यात्रियों को इमिग्रेशन से पहले हेल्थ ऑफिसर को पूरी ट्रैवल हिस्ट्री बतानी होगी। भारत में अभी इबोला के 'बुंडीबुग्यो' स्ट्रेन का कोई केस नहीं मिला है। हालांकि, केरल और कर्नाटक के बाद आंध्र प्रदेश ने भी एयरपोर्ट निगरानी शुरू कर दी है। विशाखापत्तनम, तिरुपति और विजयवाड़ा एयरपोर्ट पर प्रभावित देशों से आने वाले यात्रियों की स्क्रीनिंग की जा रही है।

लक्षण पाए जाने पर यात्री को क्वारंटीन किया जाएगा। प्रभावित शहरों के अस्पतालों में 15-15 बेड वाले आइसोलेशन वार्ड तैयार रखे गए हैं। विदेश मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान में कुल 58,560 भारतीय मूल के लोग रहते हैं।

भारत दलाई लामा उत्तराधिकारी मामले से दूर रहे : चीनी दूतावास

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने भारत को दलाई लामा के उत्तराधिकार के मुद्दे से दूर रहने की सलाह दी है। बीजिंग ने कहा कि दलाई लामा के पुनर्जन्म और उत्तराधिकारी तय करने की प्रक्रिया पूरी तरह चीन का आंतरिक मामला है और इसमें किसी बाहरी हस्तक्षेप की अनुमति नहीं दी जाएगी।

भारत में चीनी दूतावास की प्रवक्ता यू जिंग ने रविवार को बयान जारी कर कहा कि दलाई लामा का पुनर्जन्म सदियों पुराने धार्मिक रीति-रिवाजों और ऐतिहासिक परंपराओं के तहत होता है।

उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया के लिए चीन की केंद्रीय सरकार की मंजूरी जरूरी होती है और 14वें दलाई लामा को भी इसी प्रक्रिया के तहत मान्यता दी गई थी। चीनी दूतावास ने भारत को तिब्बत पर अपने पुराने रुख की याद भी दिलाई। बयान में कहा गया कि भारत को तिब्बती स्वतंत्रता से जुड़ी गतिविधियों के लिए मंच उपलब्ध नहीं कराना चाहिए।

ट्रम्प ने मोदी को महान बताया

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पीएम मोदी को अपना महान दोस्त बताया और कहा कि वे मोदी के बहुत बड़े फैन हैं। ट्रम्प ने कहा कि भारत अमेरिका पर 100% भरोसा कर सकता है।

अमेरिका के 250वें स्वतंत्रता दिवस पर दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित कार्यक्रम में ट्रम्प ने अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर को फोन करके लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा-मुझे भारत से प्यार है। आपको (एम्बेसडर गोर) हमारे देश के प्रतिनिधि के तौर पर अच्छी स्पीच देनी होगी। मैं सबको गुड इवनिंग कहना चाहता हूं। मुझे प्रधानमंत्री से प्यार है। PM मोदी महान हैं, वह मेरे दोस्त हैं। मोदी को हैलो कहो। मैं उनका बहुत बड़ा फैन हूं। ट्रम्प ने कहा- हम पहले कभी इंडिया के इतने करीब नहीं रहे। इंडिया मुझ पर और अमेरिका पर 100% भरोसा कर सकता है। अगर उन्हें कभी मदद की जरूरत पड़ी, तो उन्हें पता है कि कहां कॉल करना है। वे यहीं कॉल करते हैं। सितंबर 2019 में अमेरिका के ह्यूस्टन में हुए 'हाउडी मोदी' कार्यक्रम में ट्रम्प ने मोदी को भारत के सबसे सम्मानित नेताओं में से एक बताया था। फरवरी 2020 में अहमदाबाद के 'नमस्ते ट्रम्प' कार्यक्रम में उन्होंने मोदी को टफ नेगोशिएटर और असाधारण नेता कहा था। 2024 के अमेरिकी चुनाव प्रचार के दौरान ट्रम्प ने कहा था कि मोदी उनके बहुत अच्छे दोस्त हैं और भारत-अमेरिका रिश्ते उनके कार्यकाल में मजबूत हुए। ट्रम्प ने पीएम मोदी को फोन करके बधाई दी। दोनों नेताओं ने भारत और अमेरिका की दोस्ती, क्वाड, इंडो पैसिफिक सुरक्षा, व्यापार और रक्षा सहयोग पर बात की। ट्रम्प ने कहा कि भारत को अमेरिका से ज्यादा रक्षा सामान खरीदना चाहिए और व्यापार संतुलित होना चाहिए। पीएम मोदी की अमेरिका यात्रा और व्हाइट हाउस मुलाकात से पहले दोनों नेताओं ने फोन पर आगे की योजना पर चर्चा की। बातचीत में व्यापार, आर्टिफिशि-यल इंटेलिजेंस, टेक्नोलॉजी और रक्षा सहयोग मुख्य मुद्दे रहे।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com
स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित
सम्पादक : विद्यादेवी
समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96